04 - राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पुस्तकों पर सियासत को समझें

05 - तरूणाई की बहुलता और भविष्य की दिशा

A Daily News Magazine
इंदौर
मंगलवार, 27 अगस्त, 2024

06 - बैतूल के बालाजीपुरम में जन्माष्टमी पर जीवंत हो जाता है द्वापर युग

07- सरस्वती शिशु मंदिर ने हमें संस्कारों से जीना सिखाया

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 301, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

बांग्लादेशियों का भरोसा जीतकर ही भारत के राष्ट्रीय हित सधेंगे

ले.जन. एच.एस. पनाग (रि.)

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के 15 साल (2009-24) के शासन में भारत-बांग्लादेश संबंध ऐसे थे कि दोनों की गाड़ी अच्छी चल रही थी। राष्ट्रीय सुरक्षा के सभी मामलों में दोनों देशों के बीच पूरे आपसी सहयोग का माहौल था। 'बिम्स्टेक' यानी 'बे ऑफ बंगाल इनीशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक को-ऑपरशन' के तहत भारत की 'लुक ईस्ट' (पूरब पर नज़र रखो) नीति में बांग्लादेश सक्रिय सहयोग दे रहा था। चीन के साथ बांग्लादेश के आर्थिक तथा सैन्य संबंधों (बांग्लादेश की सेना मुख्यतः चीनी हथियारों से लैस है) के बावजूद हसीना ने भारत के हितों को कभी नुकसान नहीं पहुंचाया। भारत-बांग्लादेश आर्थिक सहयोग ने नई ऊंचाइयां छुईं। तीस्ता नदी के पानी के बंटवारे में समस्या के सिवा दूसरे सभी आपसी विवादों को सौहार्द्र के साथ सुलझाया गया, जिसमें ज़मीनी और समुद्री सीमाओं का निर्धारण भी शामिल है।

लेकिन इस कामयाबी के जोश में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र ने बदकिस्मती से वही गलती कर डाली, जो अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में प्रायः किया जाता रहा है। भारत बांग्लादेश की जन भावना से कट गया और वहां के राजनीतिक विपक्ष से अपना रिश्ता तोड़ लिया। इसका नतीजा यह हुआ कि जब वहां सरकार का तख्ता पलट दिया गया और हसीना 5 अगस्त को भागकर भारत चली आई तो भारत सरकार को रणनीतिक झटका लग गया।

हसीना की क्रूर तानाशाही, 2024 के चुनाव में कथित धांधली, लगभग एक दलीय शासन, बढ़ती बेरोज़गारी और 'दूसरी आज़ादी' के संघर्ष में तब्दील हुए आरक्षण विरोधी आंदोलनों के बर्बर दमन के खिलाफ बांग्लादेशियों में तीखे असंतोष का अंदाज़ा लगाने में भारत नाकाम रहा। लोग भारत में नव-राष्ट्रवादी तत्वों द्वारा मुसलमानों की लानत-मलामत और भारत के राजनीतिक तथा सैन्य नेतृत्व के उन बयानों से भी नाराज़ थे जिनमें कथित अवैध मुसलमानों को 'दीमक', 'घुसपैठिए' कहा गया, लेकिन जिसे बांग्लादेशियों ने अपना राष्ट्रीय अपमान माना। हसीना के साथ-साथ भारत भी अस्थायी तौर पर उनकी नफरत का प्रतीक बन गया। मैंने 'अस्थायी तौर पर' इसलिए कहा क्योंकि बांग्लादेश में कोई भी हुकूमत भौगोलिक और आर्थिक मजबूरियों और सत्ता संतुलन की वजह से भारत को प्रतिद्वंद्वी बनाने का जोखिम नहीं मोल ले सकती। अब यह भारत की जिम्मेदारी है कि वह अंतरिम तथा भावी सरकारों के साथ संबंध ठीक रखे और अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करे।

बांग्लादेश में धार्मिक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के बीच निरंतर द्वंद्व चलता रहा है। अलग-अलग समय पर सेना तख्तापलट करके सत्ता हथियाती रही है, और सत्ता के दलाल वाली स्थायी भूमिका में रही है। देश का संविधान भी अनूठा ही है, उसका अनुच्छेद 12 धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करने का संकल्प लेता है तो अनुच्छेद 2ए इस्लाम को मुल्क का मजहब घोषित करता है। 24 साल तक राज कर चुकी अवामी लीग के साथ आज़ादी की जंग लड़ने का श्रेय जुड़ा है और वह धर्मनिरपेक्ष सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की झंडाबरदार है। वह पाकिस्तान का और कट्टरपंथ का विरोधी है। उसने कट्टरपंथियों पर हमला बोला था और भारत विरोधी अलगाववादियों के अड्डों को भी उखाड़ फेंका था।

दूसरी ओर, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) विचारधारा से इस्लामी राजनीतिक पार्टी है। हालांकि, वह खुद धर्मनिरपेक्ष होने का दावा करती है। वह कट्टरपंथी पार्टी नहीं है, लेकिन कट्टरपंथियों के प्रति उदार रही है। वह आईएसआई की शह पाए कट्टरपंथियों और भारत विरोधी अलगाववादियों को छूट देने की हद तक पाकिस्तान समर्थक है।

पिछले 40 साल से अवामी लीग और बीएनपी बारी-बारी से सत्ता में आती रही हैं और ये दोनों राजनीतिक लाभ की खातिर तीसरे खिलाड़ी, फिलहाल प्रतिबंधित कट्टरपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी से हाथ मिलाती रही हैं। फौजी या अर्द्ध फौजी हुकूमतों ने बांग्लादेश पर 11 साल तक राज किया। अपनी सत्ता के शुरू के वर्षों में फौज ने मजहब को प्रमुखता दी और भारत विरोधी रुख भी रखा। वहां की हर एक सरकार को कुशासन के कारण जनता के विरोध का सामना करना पड़ा है। हसीना का तख्ता छात्रों के नेतृत्व और जनता के समर्थन से चले आंदोलन ने पलट दिया। अब बनी अंतरिम सरकार का नेतृत्व नोबल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस कर रहे हैं, जिसमें छात्र नेताओं को भी अच्छा प्रतिनिधित्व दिया गया है जिन्होंने बेहतर शासन के लिए एक नयी राजनीतिक पार्टी बनाने की मंशा जताई है। असली मुद्दा यह है कि भावी राजनीतिक व्यवस्था क्या स्वरूप लेती है।

राजनीतिक स्थिति अभी भी स्वरूप ले रही है। क्या बांग्लादेश में जब बीएनपी की इस्लामी सरकार बनेगी तब उसकी राजनीति पिछले ढर्रे पर चलेगी, जिसका ऊपर जिक्र किया जा चुका है? या एक नई अर्थव्यवस्था और शासन-केंद्रित राजनीतिक व्यवस्था उभरेगी? इन सवालों का जवाब भविष्य ही देगा। भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का समाधान बांग्लादेश में उभरने वाली भावी राजनीति पर निर्भर होगा।

बांग्लादेश तीन तरफ से भारत से घिरा है दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी एक-दूसरे के साथ जुड़ी हैं। भारत आर्थिक और सैन्य दृष्टि से कहीं बड़ी ताकत है और बांग्लादेश इस क्षेत्र में उसकी अहम स्थिति से वाकिफ है। यह अंतरिम सरकार, बीएनपी और जमात तक के रुख से स्पष्ट है।

अमेरिका और चीन के बीच जो शक्ति संतुलन का खेल चल रहा है उसमें ये दोनों देश चाहते हैं कि बांग्लादेश उनके प्रभाव में रहे, जबकि भारत इसका स्वाभाविक दावेदार है। कोई भी आज़ाद देश अपनी रणनीतिक स्वायत्तता खोना नहीं चाहता और बांग्लादेश की भी ऐसी कोई सुरक्षा संबंधी या आर्थिक मजबूरी नहीं है कि वो यह स्वायत्तता के मामले में कोई समझौता करे। बांग्लादेश की ताज़ा घटनाओं से सदमे में आए भारत को अपनी जड़ता तुरंत तोड़नी होगी। हिंदुओं तथा दूसरे अल्पसंख्यक समूहों की सुरक्षा के मसले को कूटनीतिक और सार्वजनिक तरीके से उच्च स्तर पर उठाया गया है। भारत को शासन के कूटनीतिक, आर्थिक और सॉफ्ट/हार्ड शक्ति जैसे सभी उपायों का प्रयोग करके इस बात की पूरी कोशिश करनी चाहिए कि बांग्लादेश एक दोस्ताना एवं सहयोगी पड़ोसी बना रहे और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर दबाव न बने। थाईलैंड में 4 सितंबर को 'बिम्स्टेक' का जो शिखर सम्मेलन होने वाला है उसका इस्तेमाल करके बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के साथ बैठक की जाए। हम अपनी तरफ से, विचारधारा को राष्ट्रीय हितों से ज्यादा महत्व देने की कोशिश न करें। अगर भारत अपनी मिसाल नहीं पेश कर सकता तो वह इस्लामी बहुमत वाले किसी देश से यह कैसे अपेक्षा कर सकता है कि वह धर्मनिरपेक्षता का पालन करे? भारत के लिए बांग्लादेश की जनता का भरोसा जीतना ही अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों की रक्षा करने की कुंजी है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

कई दिनों से लिखा नहीं मैंने कोई लेखा

पतझड़ में पत्तों को झड़ते देखा
वृक्षों पर वसंत को आते देखा
चिड़िया के घोसले को तिनका-तिनका
नई किलकारियों से उमगते देखा
उठाते ही कच्चे आँगन की सिला
केंचुओं की हलचल को मैंने देखा

निकला किसी नई धरती की तफ़्तीश में
आसमान भेदता फिर मैंने रॉकेट देखा

इससे सुंदर कुछ नहीं देखा, इसलिए
कई दिनों से मैंने लिखा नहीं कोई लेखा।

– वसंत सकरगाए

देश में मानसून का कहर

- अहमदाबाद में 12 घंटे में 6 इंच बारिश
- सड़कें जलमग्न, कई ट्रेनें हुई प्रभावित, स्कूलों की छुट्टी
- महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी का 35 फीट ऊंचा स्टैच्यू गिरा; म.प्र.-राजस्थान में भारी बारिश का अलर्ट
- मोरबी में ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी में गिरी, एनडीआरएफ ने 10 को बचाया, 7 की तलाश जारी

नईदिल्ली/अहमबादा/महाराष्ट्र/जयपुर (एजेंसी)। देश के ज्यादातर राज्यों में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र में भारी बारिश की चेतावनी दी है। गुजरात के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। कई सड़के जलमग्न हो गई हैं, ट्रेन सेवा प्रभावित हैं, स्कूलों की छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। सोमवार को तेज बारिश का सबसे ज्यादा असर अहमदाबाद में दिखाई दिया। यहां सुबह करीब 3 बजे से बारिश हो रही है। मोरबी में तेज बारिश के कारण धावना गांव में एक रपटे पर पानी आ गया। सोमवार सुबह यहां से गुजर रही टैक्टर-ट्रॉली नदी में जा गिरी। इसमें 17 लोग सवार थे। सभी बह गए। एनडीआरएफ ने 10 लोगों को बचाया। 7 को बचाने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस ने बताया कि घटना सुबह करीब 3.45 बजे हुई। 4:15 बजे से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया था।

म.प्र.-राजस्थान में 9 लोग बहे, सभी का रेस्क्यू

मध्य प्रदेश में रविवार (25 अगस्त) को 21 जिलों में बारिश हुई। इससे नदियां-तालाब उफान पर हैं। रतलाम में ट्रैक के नीचे की गिट्टी बहने के कारण 15 ट्रेनें प्रभावित हुईं। रायसेन में नदी पार कर रहे 3 युवक बह गए। राजगढ़ में भी 2 लोग बहे। धार की चिड़ी नदी में एक बच्चा बह गया। गुना में 8 लोग घोड़ापछाड़ नदी के बीच में फंसे। हालांकि, सभी का रेस्क्यू कर लिया गया। राजस्थान के करौली में रविवार शाम को गंभीर नदी में तीन युवक बह गए। नदी के तेज बहाव से बचने के लिए तीनों ने एक पेड़ पर चढ़कर जान बचाई। देर रात तक उन्हें रेस्क्यू करने की कोशिश की गई। **बिहार में गंगा उफान पर**- बिहार के कहलगांव में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। मुंगेर में वॉर्निंग लेवल से ऊपर ही बह रही है। मुंगेर में बाढ़ के कारण जिले में 38 स्कूल पानी में डूब चुके हैं। इसके कारण बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है।

मंगल तिथियों पर आधारित जन्माष्टमी सभी के जीवन में मंगल ही मंगल करे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सबके लिए अनुकरणीय

- **मुख्यमंत्री ने जन्माष्टमी पर प्रदेशवासियों को दीं मंगलकामनाएं**

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेशवासियों को मंगलकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सभी के लिए अनुकरणीय है। यही प्रार्थना है कि मंगल तिथियों पर आधारित जन्माष्टमी का पावन पर्व सभी के जीवन में मंगल ही मंगल करे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन्माष्टमी के पावन पर्व पर निवास स्थित गौशाला में गोमाता की सेवा कर जगत कल्याण के लिए प्रार्थना की।

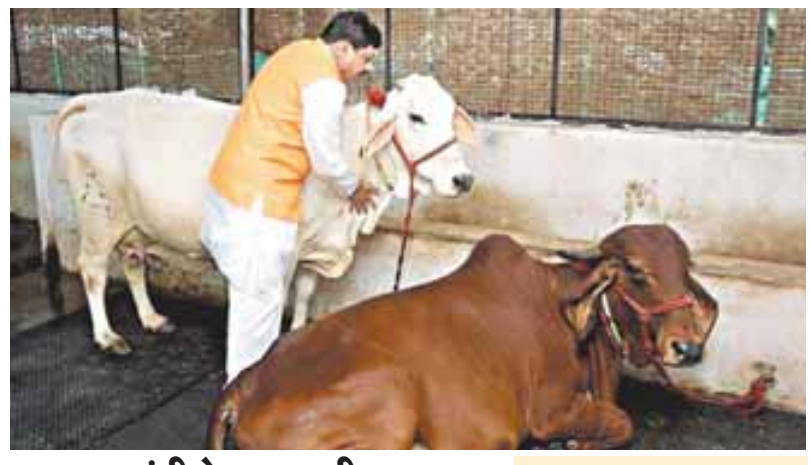

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खगोलीय घटनाओं से मंगल तिथियों की अनुकूलता बनती है, हमारे व्रत, पर्व व त्यौहार मंगल तिथियों के आधार पर ही हैं। इन तिथियों में अद्वितीय घटनाएं घटती है, आज की मंगल तिथि इसकी परिचायक है। लगभग 5100 साल पहले रोहिणी नक्षत्र में भाद्रपद की अष्टमी तिथि में भगवान श्रीकृष्ण का रात 12 बजे प्राकट्य हुआ, जो एक आलौकिक घटना है। उन्होंने कहा कि प्रायः शुभ दिनों पर हमारे मुख से शुभकामनाएं का शब्द निकलता है। शुभकामना सामान्य दिनों के लिए है, जबकि मंगल दिवस पर मंगलकामनाओं का आदान-प्रदान उपयुक्त है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का सम्पूर्ण जीवन सबके लिए अनुकरणीय है। जीवन में किसी से घबराना नहीं, सदैव धर्म के मार्ग पर चलना, वीरता धारण करना, दयालुता रखना, गोपालन करना और अपने जीवन में जो पाएं, वह बांटने का भाव व सामर्थ्य रखना ऐसी विशेषताएं हैं, जिनका सभी को पालन करना चाहिए।

सीएम यादव बोले- भारत में रहना है तो..राम-कृष्ण की जय कहना होगा

जो यहां का खाता है, कहीं और का बजाता है, यह नहीं चलेगा

अशोकनगर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'भारत के अंदर रहना है, तो राम-कृष्ण की जय कहना होगा।' सीएम यादव सोमवार को अशोकनगर जिले के चंदेरी में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा- सावधान.. जो यहां का खाता है, कहीं और का बजाता है, यह नहीं चलेगा। इसके बाहर कुछ नहीं है। हमारे देश के भीतर हम सब का सम्मान करना चाहते हैं, किसी का अपमान नहीं करते हैं।

सीएम ने आगे कहा- हमारे यहां हिंदू-मुस्लिम का भाव नहीं है। हमारे यहां परमात्मा को, सृष्टि को समझने वाले लोग चाहिए। रहीम, रसखान, यहां की माटी को जोड़कर चले, इसलिए हम आज भी उन्हें स्मरण करते हैं।

चंपई सोरेन जल्द ही भाजपा में होंगे शामिल, शाह से होगी फाइनल बात

तो झारखंड में चंपई सोरेन होंगे भाजपा के सीएम फेस

सरायकेला (एजेंसी)। पूरे देश की नजर कोल्हान टाइगर चंपई सोरेन पर टिकी हुई है, लेकिन अब तक न ही उन्होंने पूरी बात साफ की और ना ही भाजपा के वरीय नेताओं ने, जबकि पूरे देश में इस बात की चर्चा होने लगी है कि पूर्व मंत्री चंपई सोरेन भाजपा में शामिल होने वाले हैं। सूत्रों की मानें तो अब और इंतजार झारखंडवासियों को नहीं करना होगा, क्योंकि जल्द ही चंपई सोरेन भाजपा में शामिल होने वाले हैं।

चंपई ने की बीजेपी नेताओं से बातचीत- सोमवार को दिल्ली पहुंचे चंपई सोरेन ने भाजपा के कई वरीय नेताओं से बातचीत की और उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए हरी झंडी मिल गई है, लेकिन सिर्फ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनकी बात रात में होने वाली है। जहां पूरी बातों पर अंतिम विराम लगने की उम्मीद है।

चंपई का भाजपा में होगा ग्रैंड वेलकम!- इसके बाद यह तय किया जाएगा कि चंपई सोरेन रांची या जमशेदपुर में बीजेपी में शामिल होंगे। जिस दिन चंपई सोरेन को भाजपा में शामिल कराया जाएगा उस दिन भव्य आयोजन करने की बात सामने आ रही है।

जम्मू-कश्मीर चुनाव के लिए भाजपा की सूची पर कलह, सिर्फ 15 उम्मीदवारों की आई सूची

जम्मू भाजपा दफ्तर में टिकट कटने वालों का हंगामा,5 घंटे में भाजपा की 3 लिस्ट

नईदिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने सोमवार को कैंडिडेट्स की 3 लिस्ट जारी की। पहली लिस्ट सुबह 10 बजे आई। इसमें 3 फेज के 44 कैंडिडेट्स के नाम थे, लेकिन इसे थोड़ी ही देर में डिलीट कर दिया। विरोध के बाद सूची रोक दी गई। सिर्फ 15 उम्मीदवारों की सूची आई थी।

इस लिस्ट के आते ही जम्मू भाजपा दफ्तर में कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन शुरू हो गया था। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पार्टी ने पैराशूट प्रत्याशी उतार दिए हैं। इसके बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना अपने केबिन में चले गए और दरवाजा बंद कर लिया। थोड़ी देर बाद बाहर निकले और कहा- परेशान ना हों, सभी से पर्सनली बात करूंगा।बात हाईकमान तक पहुंची। पहली लिस्ट जारी होने के 2 घंटे बाद 12 बजे एक और लिस्ट आई, इसमें सिर्फ फर्स्ट फेज के 15 कैंडिडेट्स के नाम थे।

44 उम्मीदवारों की सूची में टाइपिंग एरर बताया

पहली लिस्ट को पार्टी प्रवक्ता ने टाइपिंग एरर बताया था, पहली लिस्ट जारी होने के बाद डिलीट कर दी गई थी। मीडिया ने इस पर जम्मू-कश्मीर के मीडिया प्रभारी सज्जाद से सवाल किया। उन्होंने बताया कि 44 उम्मीदवारों की सूची टाइपिंग एरर के कारण रद्द की गई है। ओमी खजूरिया को टिकट नहीं मिला, सपोर्ट बोले- इस्तीफा देंगे, जम्मू दफ्तर में ओमी खजुरिया के नाम के नारे लगे, जिनका नाम पहली लिस्ट में नहीं था। वे जम्मू उत्तर से चुनाव लड़ते आए हैं, यहां कांग्रेस से भाजपा में आए शाम लाल शर्मा को टिकट दिया गया था। इसी लिस्ट को पार्टी ने रोक दिया है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 27 अगस्त 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

हरियाणा में झगड़े के बाद सतना के दंपत्ति ने सुसाइड किया

सतना/करनाल (नप्र)। हरियाणा के करनाल में रविवार-सोमवार रात पति-पत्नी ने सुसाइड कर लिया। पहले किराए के मकान में पत्नी ने फंदा लगाया। इसके बाद पति ने घर से 100 मीटर दूर खेत में अमरूद के पेड़ पर गमछे से फांसी लगा ली। घटना कोहंड गांव के अलीपुर रोड की है।

मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के सतना जिले के कचनार गांव के रहने वाले अजय और उसकी पत्नी राधा के रूप में हुई है। 3 साल पहले दोनों ने लव मैरिज की थी। पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्ट्म के लिए करनाल के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में भिजवा दिए हैं।

परिजनों का आरोप है कि दोनों पति-पत्नी फैक्ट्री में काम करते थे। यहां बबलू उर्फ मास्टर भी काम करता है। बबलू की वजह से राधा और अजय के बीच झगड़े होते थे। उन्हें शक है कि राधा का मास्टर के साथ अफेयर था। रात का झगड़े के बाद राधा ने सुसाइड किया तो मास्टर भी वहां आ गया। उसने अजय को फंसाने की धमकी दी थी।

रात को पति-पत्नी में झगड़ा हुआ

अजय की मां शकुंतला ने बताया कि वह 2 बेटे और बेटी के साथ जीटी रोड पर बलवान कॉलोनी में रहती है। दूसरा बेटा अजय अपनी पत्नी राधा के साथ कोहंड में किराए पर रहता था। दोनों अलीपुर रोड पर कालीन फैक्ट्री में काम करते थे। रविवार रात को अजय और राधा के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। राधा ने दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद अजय ने मकान मालिक सुरेंद्र को बुलाया। वहां पड़ोसी भी जमा हो गए। इसके बाद दरवाजा तोड़ा तो राधा पंखे पर फंदे से लटकी हुई थी। फैक्ट्री में काम करने वाले मास्टर को इसकी सूचना मिली तो वह भी मौके पर पहुंच गया।

मास्टर ने परिवार को कमरे में बंद किया

शकुंतला ने आगे बताया कि राधा के सुसाइड करने के बाद अजय घर से निकल गया। वे उसे पकड़ने के लिए पीछे दौड़े तो मास्टर ने उन्हें एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद पुलिस मौके पर आई और राधा का शव कब्जे में ले लिया। सोमवार सुबह अजय का शव भी घर के पास ही खेत में फंदे पर लटा हुआ मिला।

मां बोलीं- कुछ दिन पहले बेटे को धमकी दी थी

शकुंतला ने बताया कि अजय मेरा बड़ा लड़का था, उससे छोटे 2 लड़के व एक लड़की भी है। अजय का 2 साल का बेटा है। वह बिना मां-बाप का हो गया है। बेटा और बहू अच्छी तरह से रहते थे। मास्टर के कारण दोनों में झगड़े हुए। कुछ दिन पहले मास्टर ने अजय को धमकी दी थी कि वह पत्नी से झगड़ा करने पर उस पर कार्रवाई कराएगा। मास्टर के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

डीएसपी बोले- दोनों के परिजनों के बयान पर कार्रवाई होगी

इंद्री के डीएसपी सुभाष चंद्र ने बताया कि सुसाइड की सूचना के बाद पुलिस की टीमें मौके पर पहुंच गई थीं। मृतका राधा के परिजनों को भी सूचना दी गई है। उनके करनाल आने के बाद पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। दोनों के परिजनों के बयान के आधार पर ही कार्रवाई होगी।

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता रेप-मर्डर केस, आरोपी संजय ने जुर्म कबूला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय ने पॉलीग्राफ टेस्ट में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। संजय ने कहा कि उसने रेप के बाद ट्रेनी डॉक्टर का मर्डर किया था। घटना को अंजाम देने से पहले वो रेड लाइट एरिया गया था। रास्ते में भी एक लड़की को छेड़ा और गर्लफ्रेंड से न्यूड तस्वीरें मांगी थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, संजय ने एक दिन पहले 25 अगस्त को पॉलीग्राफ टेस्ट में ये सारी बातें कही हैं। पुलिस कस्टडी में भी संजय ने रेप और मर्डर की बात स्वीकार की थी। संजय का यह कबूलनामा मर्डर और रेप के 18 दिन बाद आया है। 8 और 9 अगस्त की रात आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में लड़की की अर्धनग्न बॉडी मिली थी।

भाजपा बोली-

कंगना को किसान आंदोलन पर बोलने की इजाजत नहीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने एक्ट्रेस-सांसद कंगना रनोट के उस बयान से खुद को अलग कर लिया है, जिसमें उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान रेप-मर्डर होने की बात कही थी। मीडिया ने सोमवार को भाजपा की प्रेस रिलीज जारी की। इसमें लिखा है- पार्टी कंगना के बयान से असहमत है। उन्हें पार्टी के नीतिगत मुद्दों पर बोलने की इजाजत नहीं है। वे पार्टी की तरफ से बयान देने के लिए अधिकृत भी नहीं हैं। भाजपा ने कंगना को हिदायत दी है कि वे इस मुद्दे पर आगे कोई बयान न दें। पार्टी स्टेटमेंट में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के सिद्धांत पर चलने की बात कही गई है।

राजस्थान और मध्यप्रदेश में बनेगा श्रीकृष्ण गमन पथ

डीग (भरतपुर) (एजेंसी)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण गमन पथ बनाने की घोषणा की है। भगवान कृष्ण की जन्म स्थली से लेकर उनके शिक्षा ग्रहण करने के स्थान को एक धार्मिक सर्किट के जरिए जोड़ा जाएगा। यह काम राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार मिलकर करेगी। भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान कृष्ण के गमन पथ को जल्दी ही तीर्थ स्थलों के रूप में विकसित किया जाएगा। मध्यप्रदेश के उज्जैन के सांदीपनि में भगवान कृष्ण ने शिक्षा हासिल की है। जानापाव (एमपी) में भगवान परशुराम ने उन्हें सुदर्शन चक्र दिया। धार के पास अमझेरा में भगवान का रुक्मिणी हरण को लेकर युद्ध हुआ। ऐसे स्थलों को सरकार पर्यटन स्थल बनाने जा रही है।

धार में बनेगा श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी का स्मृति स्थल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में विकसित होगी उनको समर्पित गैलरी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनसंघ के संस्थापक सदस्य और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी को समर्पित स्मृति स्थल का निर्माण धार में किया जाएगा। साथ ही उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं और विचारों को समाज के सम्मुख लाने के लिए भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में गैलरी विकसित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे की जन्म-जयंती पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यह बात कही।

ठाकरे जी की सादगी और न्यूनतम संसाधनों में समाज को अधिकतम योगदान देने की कार्यशैली अनुकरणीय- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित किया। उनके निर्लिप्तता से प्रजातंत्र की स्थापना और सुशासन के लिए किए गए कार्य प्रदेश ही नहीं, देश की धरोहर हैं। उनकी सादगी और न्यूनतम संसाधनों में समाज को अधिकतम योगदान देने की कार्यशैली और संगठन को विस्तार देने की क्षमता सदैव प्रेरणा बनकर सभी का पथ आलोकिक करती रहेगी।

सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि श्रद्धेय ठाकरे जी की शुचिता, परिश्रम और सेवा भाव सबको साथ लेकर चलने की क्षमता और परस्पर सहयोग निधि से संगठन को चलाने व विस्तार देने की कार्य-प्रणाली आदर्श कार्यकर्ता का अद्भुत उदाहरण और हम सबके लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक एवं पूर्व प्रोटेम स्पीकर श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय सहित जन-प्रतिनिधियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

देशभर में जन्माष्टमी की रही धूम

कृष्ण मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मथुरा समेत सभी कृष्ण मंदिरों में देर रात तक थी भक्तों की भीड़

नईदिल्ली/मथुरा(एजेंसी)। सोमवार को पूरा देश भगवान कृष्ण के जन्म के उत्सव में डूबा हुआ था। कृष्ण के जन्म उत्सव के अवसर पर देशभर के सभी मंदिरों को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया था। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सोमवार को भगवान कृष्ण का जन्मदिन पूरे धूमधाम से मनाने के लिए देश भर के विभिन्न मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।

सोमवार को राधा कृष्ण परिसर के सभी मंदिरों में घंटियां, मृदंग और शंख की ध्वनि गूंज उठी थी। भगवान कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा के मंदिर भी कृष्ण भक्तों से भरे हुए थे। द्वारका में भी भगवान के भक्त पूजा-पाठ के लिए पहुंचे।

अहमदाबाद के इस्कॉन मंदिर में उमड़े भक्त- वहीं, कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर अहमदाबाद के इस्कॉन मंदिर में भगवान कृष्ण के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त उमड़े थे।

बिरला मंदिरों में थी काफी भीड़

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, जिसे बिरला मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर में सुबह की आरती की गई।

- **मथुरा में रात 12 बजे हुआ कान्हा का प्राकट्य, हुई महाआरती...** मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का उल्लास पूरे ब्रज में हिलोर ले रहा था। कान्हा के स्वागत को ब्रज स्वर्ग सा सजा गया था। सोमवार मध्यरात्रि 12 बजे घर-घर कन्हाई जन्म लिया। हर घर में मंगल बधाई गीत गूंज रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अशोकनगर के चंदेरी में रोड शो में जनता का अभिवादन किया

मुख्यमंत्री ने बुनकरों की मदद और सहायता करने का आश्वासन दिया

अशोकनगर (नप्र)। मुख्यमंत्री अशोकनगर में प्राचीन लक्ष्मण मंदिर जाएंगे। आधा किलोमीटर रोड शो के करने के बाद लक्ष्मन मन्दिर में कृष्ण भगवान की पूजा की। उसके वाद नई मंडी स्थित सभा स्थल पहुंचे। इसके बाद कृषि उपज मंडी कार्यक्रम में जन्माष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

अशोकनगर जिले की चंदेरी तहसील पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यहां पर विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। वे हेलीपैड से उतरने के बाद सीधे पहुंचे बुनकर पार्क गए। लूम पर बैठते ही आवाज आई खटाक, मुख्यमंत्री बोले यह आप 5000 बुनकरों की आवाज है जो कि विश्व पटल पर आज चंदेरी को पहचान दिलाई हुए हैं। इस दौरान उन्होंने वहां बुनकरो की समस्याओं को सुना और उनकी हर संभव मदद और सहायता करने के आश्वासन दिया। बुनकर पार्क में पहुंचकर उन्होंने साड़ी बनाने का तरीका देखा। मुख्यमंत्री बुनाई करते समय हंसते हुए नजर आए।

- **कृष्ण जन्माष्टमी पर मणिमहेश डल झील में 1 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी**

श्री मणिमहेश यात्रा के कृष्ण जन्माष्टमी के छोटे स्नान के लिए लगभग 1 लाख से अधिक लोगों ने मणिमहेश डल झील पहुंचे। भारी बारिश व कड़ाके की ठंड के बाद भी श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई। ठंड के चलते जो यात्री डल झील पहुंच गए थे वह वापस लौटना शुरू हो गए। इस बार की मणिमहेश यात्रा में प्रशासन ने पंजीकरण की व्यवस्था की हुई है जिससे यात्रियों की सही संख्या का पता चल रहा है।

सीएम योगी ने चेताया, कहा-

बांग्लादेश से सीख लें... बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे

आगरा (एजेंसी)। राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं। राष्ट्र तभी सशक्त होगा, जब हम एक होंगे। बांग्लादेश में देख रहे हैं न, वो गलतियां यहां नहीं होनी चाहिए...बंटेंगे तो कटेंगे। एक रहेंगे-नेक रहेंगे। सुरक्षित रहेंगे और समृद्धि की पराकाष्ठा तक पहुंचेंगे। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आगरा में यह बात कही। वे यहां पुरानी मंडी चौराहे पर राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि 10 साल से यह प्रतिमा मेरा इंतजार कर रही थी। मेरे ऊपर उनकी कृपा हो गई। मुझे यहां आने का अवसर भी तब मिला, जब कृष्ण का जन्म हो रहा है। योगी ने राधे-राधे कहकर जनसभा में मौजूद लोगों को कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

पूजनीय हैं राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर

योगी ने कहा- बहुत सारे लोगों ने मुगलों और अंग्रेजों के सामने समर्पण कर दिया था, लेकिन आज हम राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर जी का नाम ले रहे हैं। एक बार राजस्थान जाइए, देखिए उनकी पूजा होती है। जोधपुर में श्रद्धा का भाव देखने को मिलता है।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पांच नए जिले बनेंगे

जिलों की संख्या बढ़कर 7 होगी

- **पीएम मोदी बोले- अब विकास पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा**

नईदिल्ली/लेह (एजेंसी)। सरकार ने 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो अलग राज्य बना दिया गया था। केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण लद्दाख केंद्रीय गृह मंत्रालय के सीधे नियंत्रण में आता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार (26 अगस्त) को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 5 नए जिले बनाने की घोषणा की। नए जिलों का नाम जांस्कर, द्रास, शाम, नुब्रा और चांगथांग होगा।नए जिलों की घोषणा से पहले लद्दाख में केवल दो जिले थे, लेह और कारगिल। अब इनकी संख्या बढ़कर 7 हो जाएगी। अमित शाह ने एक्स पर लिखा- मोदी सरकार ने लद्दाख में नए 5 जिले बनाने का फैसला लिया है। सरकार हर गली-मोहल्ले में शासन को मजबूत करके लोगों के लिए मौके बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम बोले- सेवाएं और अवसर लोगों के पास आएंगे- पीएम मोदी ने इस फैसले की सराहना की और कहा कि यह बेहतर शासन की दिशा में एक कदम है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा- लद्दाख में 5 नए जिले बनना बेहतर शासन और समृद्धि की दिशा में एक कदम है।

अभी तो उद्घाटन भी नहीं हुआ, टूट गया छपरा-हाजीपुर पुल, हादसा रोकने के लिए पुलिस कर रही पहरेदारी

पटना/हाजीपुर(एजेंसी)। बिहार के वैशाली में एनएच-31 फोरलेन पर बना एक पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। इस घटना में छपरा से हाजीपुर आने वाला लेन प्रभावित हुआ है। पुल का एक हिस्सा लगभग एक मीटर तक धंस गया, जिसके कारण आवागमन बाधित हो गया है। हैरानी की बात यह है कि यह पुल अभी तक उद्घाटन से पहले ही यातायात के लिए खोल दिया गया था।

उद्घाटन से पहले टूटा छपरा-हाजीपुर पुल- यह घटना वैशाली में एनएच-31 फोरलेन पर हुई, जहां छपरा से हाजीपुर आने वाला एक लेन वाला पुल लगभग एक मीटर तक धंस गया। दुर्घटना के बाद, लगभग एक घंटे तक क्षतिग्रस्त पुल से वाहनों की आवाजाही जारी रही। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस पुल का उद्घाटन नहीं हुआ था और 6 महीने पहले ही इसे बिना औपचारिक उद्घाटन के यातायात के लिए खोल दिया गया था। ट्रैफिक पुलिस ने नो एंट्री का बैरिकेड लगाकर रास्ते को बंद कर दिया है।

लव मैरिज के एक साल बाद युवती ने किया सुसाइड

सोने का कहकर कमरे में गई फिर लगा ली फांसी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के खजराना में रहने वाली एक 19 साल की लड़की ने सुसाइड कर लिया। बताया जाता है कि सुबह वह पति और भाई से हाथ-पैर में दर्द होने का कहकर कमरे में गई थी। इसके बाद दरवाजा लगाकर सो गई। पति जब देखने पहुंचा तो वह फंदे पर लटकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। खजराना पुलिस से मिली

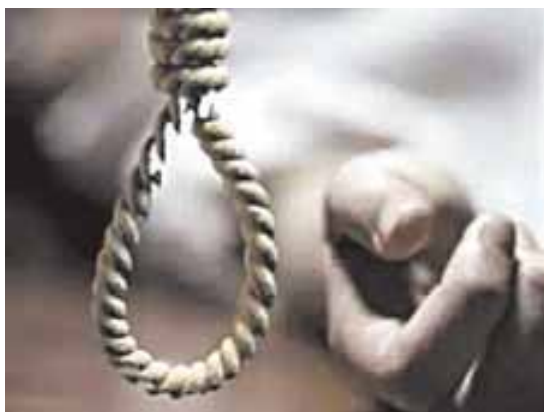

जानकारी के मुताबिक धीरज नगर में रहने वाली शीतल पति प्रीतम राजपूत ने सोमवार दोपहर अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। पति प्रीतम ने बताया कि शीतल की तबीयत ठीक नहीं थी। वह उसके भाई बादल को सोने का कहते हुए कमरे में चली गई। प्रीतम ने बताया कि साले को और उसे काम पर जाना था। दोनों ने चावल बनाने रखे। करीब 12 बजे वह शीतल को आवाज लगाने कमरे में पहुंचा तो वह फंदे पर लटकी थी। तुरंत बादल को आवाज देकर बुलाया और फंदे से उतार कर अस्पताल लेकर पहुंचे। प्रीतम के मुताबिक दोनों शाजापुर के पास के रहने वाले हैं। दोनों कई सालों से साथ काम कर रहे थे। इसके चलते एक साल पहले दोनों ने कोर्ट मैरिज कर लिया था। शीतल एक टेली कॉलिंग कंपनी में काम कर रही थी। वहीं भाई भी ऑनलाइन डिलीवरी कंपनी में काम करता है। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

कांग्रेस नेता श्री राम पर देंगे व्याख्यान

आज मुकेश नायक सनातन धर्म, संस्कृति और परम्परा के वाहक श्रीराम पर बोलेंगे

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री मुकेश नायक मंगलवार यानी आज इंदौर आ रहे हैं। वह इंदौर के गांधी हॉल में व्याख्यान देंगे। व्याख्यान का विषय सनातन धर्म, संस्कृति और परम्परा के वाहक श्रीराम है। हालांकि गांधी हाल में होने वाला यह व्याख्यान कार्यक्रम वैसे तो विचार मंच द्वारा कराया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसके सियासी मायने खोजे जा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि इस कार्यक्रम की तैयारी कांग्रेस नेताओं खास तौर पर सज्जन सिंह वर्मा के कट्टर समर्थकों ने अपने हाथ में ले रखी है।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि इस कार्यक्रम के जरिए नायक सबके राम जैसा संदेश प्रसारित करेंगे। जिसमें पार्टी का खास मकसद नजर आ रहा है। कांग्रेस में इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि क्या अब कांग्रेस भी बीजेपी की राह पर चल पड़ी है? क्या यह कार्यक्रम कांग्रेस पर लगने वाले आरोपों के दाग धोने की कोशिश है?

वहीं राजनीतिक जानकारों का कहना है कि कांग्रेस पार्टी पर तुष्टीकरण, हिन्दू विरोधी होने जैसे आरोप तो बीते तीन दशक से लग रहे हैं। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का आमंत्रण ठुकराए जाने के बाद तो कांग्रेस पर सनातन धर्म विरोधी होने का ठप्पा और मजबूती से चस्पा कर दिया गया।

विधानसभा चुनाव के पहले तो बड़ी तादाद में नेताओं ने पार्टी से किनारा कर लिया था। इनमे बड़े नेता भी शामिल थे जिनका सीधा आरोप था कि वह पार्टी के भीतर राम का अनादर सहन नहीं कर पा रहे थे।

इंदौर में आज भी हल्की बारिश

यशवंत सागर को छोड़ सभी तालाब खाली, सड़कें सूखते ही मैदान में दिखे महापौर-अधिकारी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में आज दिनभर हल्की बारिश का दौर रहेगा। इस दौरान बीच में कभी-कभी धूप भी निकलने की संभावना है। इंदौर में सोमवार सुबह से ही शहर के अलग-अलग इलाकों में बूंदाबांदी हो रही थी। जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। एयरपोर्ट क्षेत्र में 24 घंटे में 46 मिमी व रीगल क्षेत्र में 50 मिमी बारिश दर्ज की गई।

भोपाल स्थित मौसम केंद्र के विज्ञानियों के मुताबिक, वर्तमान में उत्तर पूर्व मध्य प्रदेश में गुना से 80 किलोमीटर दूर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। वहीं बांग्लादेश के पास चक्रवाती हवा का घेरा भी बना हुआ है। एक मानसून द्रोणिका जैसलमेर, सीधी, दीघा से बंगाल की खाड़ी की ओर जा रही है। इस वजह से अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से नमी आ रही है। इस कारण इंदौर में बारिश का दौर दिखाई दे रहा है जो सोमवार व मंगलवार को भी जारी रहेगा।

सड़कों पर जलजमाव

रविवार को हुई बारिश से कई सड़कों व चौराहों पर दोपहर में जलजमाव हो गया। खजराना चौराहा, बंगाली

चौराहा की सर्विस रोड, बीआरटीएस और बायपास के अंडर पास सहित शहर के कई इलाकों में जलजमाव होने से वाहन चालक परेशान हो रहे है।

मैदान में नजर आए महापौर-अधिकारी- तीन दिन पहले जब शहर डूब रहा था, सड़कों पर महाजाम लगा था, तब अफसर और जनप्रतिनिधि नदारद थे। रविवार को सड़कें सूखते ही जिम्मेदार मैदान में नजर आए। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने विजय नगर चौराहा और रसोमा चौराहा का निरीक्षण किया। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए कि जितने भी विकास कार्य चल रहे हैं, उन्हें जल्द पूरा करें। निगमायुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर सहित यातायात विभाग के अफसर मौजूद थे। उधर, कलेक्टर आशीष सिंह ने बैठक लेकर स्पष्ट किया कि अब जिस क्षेत्र में जल जमाव होगा, वहीं के अफसर की जिम्मेदारी होगी। उन्होंने अफसरों को युद्धस्तर पर जुटने के लिए कहा।

पूर्व विधायक नेमा ने कविता के जरिये उठाए सवाल- तेज बारिश के दौरान पूरे शहर में सड़कों पर पानी जमा होने और बीआरटीएस सहित कई मार्गों पर लगे तीन घंटे से ज्यादा जाम पर वरिष्ठ भाजपा नेता गोपीकृष्ण नेमा ने कविता के माध्यम से सवाल उठाए हैं। उन्होंने इंदौर के स्मार्ट सिटी होने पर सवाल उठाते हुए सभी को घेरा है।

ट्रैफिक सुधार पर 2 हजार करोड़ खर्च

निर्माण एजेंसियों में तालमेल नहीं

नतीजा- फ्लाय ओवर, डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के बाद भी लोग परेशान

इंदौर (एजेंसी)। शहर के विकास को लेकर इंदौर में अलग-अलग मोर्चों पर लगातार काम हो रहा है। स्वच्छता, स्मार्ट सिटी, सूरत की तरह फ्लाय ओवर सिटी, लोक परिवहन के लिए मेट्रो, ट्रेड फेयर और टूरिज्म सिटी जैसे सपनों को साकार करने के लिए विभिन्न एजेंसियां काम कर रही हैं। इनमें नगर निगम, आईडीए, एनएचएआई, एमपीआरडीसी, स्मार्ट सिटी कंपनी, प्रशासन, ट्रैफिक पुलिस प्रमुख एजेंसिया हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इन एजेंसियों ने 2012 के बाद कई प्रोजेक्ट शुरू किए। इनमें से कुछ पूरे हो गए, कुछ सियासी मुश्किलों में अटके हुए है। कुछ का फायदा लोगों को मिल रहा है तो कई प्रोजेक्ट भविष्य को ध्यान में रखकर प्लान नहीं किए गए। साथ ही एजेंसियों के बीच भी तालमेल का अभाव रहा, जिससे ये प्रोजेक्ट लोगों के लिए सुविधा की जगह परेशानी का सबब बन गए हैं।

बीआरटीएस जैसे प्रोजेक्ट से जनता को सुविधा तो मिली, लेकिन इसमें बनी बॉटलनेक शहर के लिए गले की हड्डी बन गई है। इससे बार-बार जाम की स्थिति बनती है। एजेंसियों ने 12 सालों में शहर में 2 हजार करोड़ रुपए से

ज्यादा के काम किए, लेकिन फिर भी शहर के 13 लाख कामकाजी लोग रोजाना परेशान हो रहे हैं। समस्याएं जस की जस बनी हुई है। विशेषज्ञ बोले कि एजेंसियों के बीच आपसी समन्वयन नहीं होने से शहर की तस्वीर बदलने में नाकाम रही। आज भी शहर ट्रैफिक जाम, 2 इंच पानी गिरने पर जल भराव, पार्किंग और बेतरतीब निर्माण जैसी समस्याओं से जूझ रहा है।

अरबन प्लानर, विभिन्न सर्वे एजेंसियां कई बार एक अलग प्लानिंग सेल, यूनिफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी या यूनिफाइड डेवलपमेंट अथॉरिटी बनाने के सुझाव दे चुकी है, जिससे विकास कार्यों के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय व तालमेल बनाया जा सकें। डेवलमेंट प्रोजेक्ट का फायदा आम जनता को मिले। समन्वयन नहीं होने की लापरवाही लवकुश चौराहे पर देखने को मिलेगी, यहां पर सुपर कॉरिडोर पर फ्लाय ओवर बन रहा है। मेट्रो भी इसी दिशा में बन रही है, लेकिन इसके ऊपर से डबल डेकर ब्रिज बनाया जा रहा है, जो भविष्य में सांवेर रोड पर चुनौती बनेगा।

इलेक्ट्रीशियन की बाइक चोरी

सीसीटीवी में दिखे दो चोर, कुछ ही मिनटों में ले गए गाड़ी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के पलासिया में एक बाइक चोरी का सीसीटीवी सामने आया है। आरोपी बाइक से आए थे। कुछ ही मिनट में वह दूसरी बाइक लेकर भाग गए। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुट गई है।

पुलिस के मुताबिक पलासिया के गिटार चौराहा स्थित तिरुपति कॉलोनी में रहने वाले टॉम जोसेफ ने अपनी बाइक रात 11 बजे पार्किंग में खड़ी की थी। कुछ देर बाद आकर देखा तो बाइक जगह पर नहीं थी। उन्होंने घर के पास लगे कैमरों के फुटेज चेक किये। जिसमें बाइक से आए बदमाश उनकी गाड़ी लेकर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। आरोपियों ने कुछ ही मिनट में पूरी वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

इंदौर में पं. विष्णुप्रसाद शुक्ला की याद में परिचर्चा

उम्मीद से आने वाले हर व्यक्ति को हरसंभव सहायता देना बड़े भैया के व्यवहार में शामिल था

इंदौर (एजेंसी)। श्री परशुराम सेना द्वारा ब्राह्मण शिरोमणि स्व. विष्णु प्रसाद जी शुक्ला बड़े भैया की द्वितीय पुण्यतिथि पर एक परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें वक्ताओं ने कहा कि समाज, धर्म एवं राष्ट्र की सेवा के साथ ही अपने पास मदद की उम्मीद से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को हरसंभव सहायता देना बड़े भैया के व्यवहार में शामिल था। ब्राह्मण समाज की एकता के लिए उनके द्वारा किए गए प्रयास अद्वितीय हैं, विशेष कर युवाओं को समाजसेवा से जोड़ना उनकी विशेष उपलब्धि रही है। परिचर्चा में लोकप्रिय कवि पं. सत्यनारायण सत्तन, राजीव शर्मा, नवनीत शुक्ला और पं. कृपाशंकर शुक्ला ने बड़े भैया के व्यक्तित्व और उनकी समाज सेवाओं का याद किया। श्री परशुराम सेना द्वारा आयोजित समारोह में संजय शुक्ला (पूर्व विधायक), अनूप वाजपेयी (अन्नू), जीतू त्रिपाठी (बाबा), अनुपम तिवारी, सतेन्द्र शर्मा, भूरालाल व्यास, प्रकाश व्यास, राजेश

शुक्ला, प्रमिला शर्मा, विमला जोशी आदि द्वारा समाज की 11 विभूतियों को पं विष्णु प्रसाद जी शुक्ला सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में स्व. विष्णु प्रसाद जी शुक्ला बड़े भैया को चाहने वाले, युवा शक्ति और मातृशक्ति मौजूद थी। इस आयोजन में ब्राह्मण समाज एवं बड़े भैया के स्नेहीजन ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

इन्हें प्रशस्ति-पत्र भेंटकर किया सम्मान

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथि स्वागत परशुराम सेना के संस्थापक मंडल के पं. विनोद द्विवेदी, पं गौतम तिवारी, पं प्रकाश वाजपेयी, पं. बृजेश शुक्ला, पं. पुष्पेंद्र शुक्ला (पप्पी), पं. प्रेम बागोरा एवं परशुराम सेना के महासचिव पं. राजेश दुबे द्वारा किया गया। स्वागत भाषण में परशुराम सेना मध्य प्रदेश के अध्यक्ष पं. अनूप शुक्ला ने बाबूजी की प्रेरणाओं का स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग का अनुसरण करने की बात कही। सम्मान समारोह के अंतर्गत सुरेश दुबे जौहरी , पं.पवन दास महाराज नवनिर्वाचित महामंडलेश्वर, कविता प्रदीप द्विवेदी, पं. स्वयं प्रकाश शुक्ला, शैलेंद्र जोशी. सुरेंद्र तिवारी, धर्मेंद्र जोशी, एडवोकेट पीके शुक्ला, शिवनारायण मिश्रा, दिलीप दुबे, नरेंद्र जी तिवारी, प्रियांशु पांडेय आदि का सम्मान प्रशस्ति-पत्र भेंटकर किया गया।

ये वरिष्ठ समाजजन थे उपस्थित

कार्यक्रम में पं. सीताराम व्यास, एडवोकेट कोमल दीक्षित, लक्की अवस्थी, हरेराम वाजपेयी, अशोक द्विवेदी, रामचंद्र दुबे, सुरेंद्र वाजपेयी, बीके शर्मा, गुड्डू दुबे, सुभाष चन्द्र दुबे, अशोक चतुर्वेदी, डॉ. सतीश दुबे, राजेश भंडारी, पं. सुनील दीक्षित, अनिल शर्मा, प्रमोद जोशी, पं. दिलीप त्रिवेदी सहित अनेक समाजजन उपस्थित थे । इस अवसर पर कान्यकुब्ज समाज के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री पं अनूप वाजपेयी अन्नू और गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के नव निर्वाचित अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास का स्वागत भी अतिथियों द्वारा किया गया। साथ ही पं. आयुष वाजपेयी को श्री परशुराम युवा सेना के महासचिव पद का दायित्व भी सौंपा गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बृजेश शुक्ला, आनंद मिश्रा, बबल जोशी, पंकज तिवारी, पप्पी शर्मा, शुभम पांडे, आनंद तिवारी, मुरली जोशी, रितेश शर्मा ,धीरज मैथली, मोहित मिश्रा, अल्केश पांडे, एडवोकेट पंकज राज तिवारी, वेद प्रकाश शुक्ला उपस्थित थे। मातृ शक्ति में सुलेखा शुक्ला, कविता मिश्रा, आरती मिश्रा, भावना दुबे, अलका दुबे,मं जू शर्मा, कल्पना पांडे, रेखा शरद शर्मा, नेहा पारस व्यास भी विशेष तौर पर उपस्थित थीं।कार्यक्रम का संचालन परशुराम सेना के प्रदेश प्रवक्ता पं. दीपक शुक्ला ने किया। अध्यक्ष पं. दीपक शर्मा ने आभार माना।

7वीं के स्टूडेंट ने मां और बहन पर कराई एफआईआर

स्कूल के मैसेज देखने के लिए मोबाइल लेने पर पीटा; धमकी दी

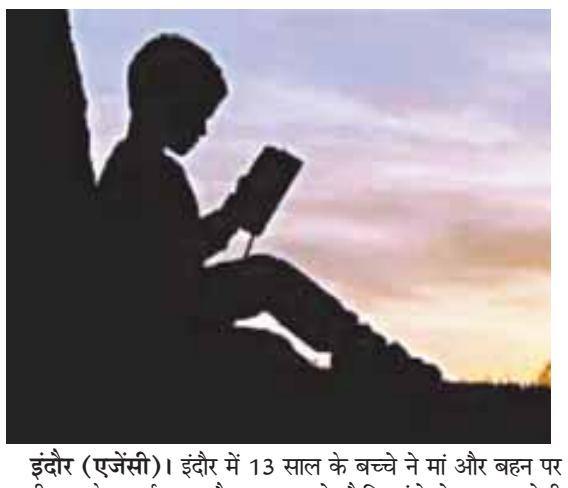

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में 13 साल के बच्चे ने मां और बहन पर मारपीट का केस दर्ज कराया है। उसका आरोप है कि मां ने मोबाइल उठाते ही पीट दिया। वहां मौजूद बहन ने भी मारपीट की। घटना तक हुई जब वह स्कूल जाने से पहले मैसेज चेक कर रहा था। मामला सिमरोल क्षेत्र के कनाड़-दतौदा में शनिवार की है। रविवार देर रात छात्र की शिकायत पर मां और बहन के खिलाफ केस दर्ज किया है। बच्चे ने बताया कि मैं 7वीं का स्टूडेंट हूं। मैं अपनी छोटी बहन के साथ दादा के पास कनाड़ में रहता हूं। मां लालघाटी-दतौदा में बड़ी बहन के साथ रहती है। शनिवार से छुट्टियां लगने के कारण हम दोनों भाई-बहन मां के पास दतौदा आए हुए थे।

मां के मोबाइल पर आते थे स्कूल के मैसेज

छात्र ने बताया कि स्कूल में मां का मोबाइल नंबर दिया हैं। स्कूल के सभी मैसेज मां के पास ही आते हैं। इस वजह से स्कूल एक्टिविटी की जानकारी मुझे नहीं मिल पाती है। सोमवार को स्कूल जाने के लिए मैसेज देखना था तो मां का मोबाइल लिया था।

इसी बात पर मां कहने लगी कि मेरे मोबाइल को किससे पूछकर हाथ लगाया। यह कहते हुए उसने मारपीट कर दी। पास में पड़ा दरांता उठाकर मारने लगी। इससे चोट आ गई।

छोटी बहन बचाने आई तो उसे भी पीटा

जब छोटी बहन मुझे बचाने आई तो मां ने उसे भी पीटा। उन्होंने धमकी दी कि दोबारा यहां घर आए तो ठीक नहीं होगा। इसके बाद हम दोनों वहां से निकल गए। कनाड़ पहुंचकर दादा को पूरी घटना बताई।

इधर, स्कूल में टीचर ने मोबाइल पकड़ा तो भागा छात्र

इधर, गौतमपुरा में 12वीं के लापता स्टूडेंट को पुलिस ने खोजकर परिजनों को सौंपा। दरअसल वह घर से स्कूल में मोबाइल लेकर आ गया था। चेकिंग के दौरान टीचर और दूसरे छात्रों को मोबाइल का पता चला तो वह घबरा गया और वहां से भाग गया।

दो दिन तक वह इंदौर में घूमता रहा। क्राइम ब्रांच एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि छात्र को उसे डर था कि अब शिक्षक और सहपाठी उसके माता-पिता को मोबाइल लाने की बात बता देंगे। इसके चलते वह घर नहीं गया।

फार्मा व्यापारी के यहां लाखों की चोरी

आधी रात को घटना से पहले बोलने पर भी नहीं आई पुलिस, सुबह उठकर देखा तो ताला टूटा था

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के तेजाजी नगर में रहने वाले एक फार्मा व्यापारी के यहां चोरी हो गई। बदमाश यहां से लाखों के जेवर पर हाथ साफ कर गए। व्यापारी महाराष्ट्र में अपने परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर गए थे। उनके पड़ोसी ने उन्हें संदिग्ध बदमाशों को लेकर आगाह भी किया था। वहीं पुलिस को भी जानकारी दी थी।

दो दिन बाद जब व्यापारी वापस आए तो चोरी का पता चला। तब उन्होंने पुलिस जानकारी दी। पुलिस इस मामले में कुछ संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक खंडवा रोड स्थित न्यू रानीबाग निवासी सनमीत सिंह सलूजा पत्नी कमलजीत के साथ 17 अगस्त को महाराष्ट्र के नांदेड़ गए थे।

19 को उनके मोबाइल पर पड़ोसी निखिल सतलानी का कॉल आया। रात 3 बजे बताया कि घर के बाहर दरवाजे पर कुछ संदिग्ध लोग खड़े हैं। इसके बाद निखिल ने पुलिस को भी सूचित किया। 22 को वह वापस पत्नी के साथ घर आए तो मेनगेट का ताला टूटा था।

अंदर अलमारी से बॉक्स गायब था। इसमें एक सोने का कड़ा, मंगलसूत्र, दो अंगूठी, एक सोने का पैंडल, दो चूड़ी, चार कान के टॉप्स, नकदी रुपए चुराकर ले गए। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने इस मामले में कुछ संदिग्धों से पूछताछ शुरू की है।

शहर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की रही धूम

यादव समाज ने निकाली शोभायात्रा, सैकड़ों मंचों से हुई कृष्णभक्तों पर पुष्पवर्षा

इंदौर(एजेंसी)। यादव अहीर समाज ने सोमवार को जन्माष्टमी पर अपने कुल देवता भगवान श्रीकृष्ण की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बड़ा गणपति चौराहे से रथ पर सवार होकर भगवान श्रीकृष्ण नगर भ्रमण पर निकले। यादव समाज के 20 से अधिक संगठनों के पदाधिकारियों ने शोभायात्रा में सहभागिता की। शोभायात्रा में रथ पर विराजित भगवान श्रीकृष्ण के साथ गोपियों की वेशभूषा में मातृशक्ति और राधाकृष्ण के स्वरूप में बच्चे भी शामिल थे। यादव अहीर समाज केंद्रीय समिति के अध्यक्ष ओंकार यादव एवं संरक्षक दीपू यादव ने बताया कि कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सभापति मुन्नालाल यादव, हरिनारायण यादव, रमेश उस्ताद, मदन यादव, राकेश यादव, रमेश यादव, पार्षद विनितिका दीपू यादव, एमआईसी मेंम्बर निरंजन गुड्डू चौहान, अश्विन शुक्ल, पूर्व पार्षद चंगीराम यादव,ओंकार यादव,दीपक यादव, प्रदीप यादव,गघन यादव, पिंटू यादव सहित सैकड़ों यादवबंधू और मातृशक्ति शामिल हुए।

संपादकीय

मप्र : 'बुलडोजर न्याय' पर विवाद

मप्र के छतरपुर में पैगम्बर मोहम्मद पर की गई विवादित टिप्पणी के विरोध में निकाला जुलूस पुलिस पर हमले में तब्दील होने के बाद उपद्रव के मुख्य आरोपी के घर पर चले बुलडोजर ने 'बुलडोजर न्याय' पर फिर से राजनीतिक और कानूनी बहस छेड़ दी है। कांग्रेस और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने प्रशासन की इस कार्रवाई को तानाशाहीपूर्ण अलोकतांत्रिक और संविधान के खिलाफ बताया है तो सत्तारूढ़ भाजपा का कहना है कि मप्र में अशांति फैलाने और कानून का उल्लंघन करने वालों के साथ यही सुलूक किया जाएगा। अमूमन शांतिपूर्ण समझे जाने वाले छतरपुर में मुस्लिम समुदाय द्वारा विरोध प्रदर्शन की आड़ में जिस तरह पुलिस पर हमला कर दंगा किया, उसके पीछे सुनियोजित साजिश के खुलासे धीरे धीरे हो रहे हैं। विरोध ज्ञापन देने पहुंची भीड़ के हिंसक होकर थाना प्रभारी समेत तमाम पुलिसवालों पर जानलेवा हमले की कोशिशों से साफ है कि यह केवल विरोध प्रदर्शन भर नहीं था बल्कि मप्र को साम्प्रदायिक आग में झोंकने की सुनियोजित साजिश थी। इस हिंसक भीड़ का नेतृत्व एक कांग्रेस नेता शहजाद अली कर रहा था, जो खुद कई मामलों में आरोपी है। घटना के दूसरे ही दिन जिला प्रशासन ने शहजाद अली की 20 करोड़ में बनी कोठी का अवैध हिस्सा ढहा दिया। घटना के बाद से मुख्य आरोपी फरार है। लेकिन शहजाद की कोठी पर चले बुलडोजर से विपक्षी कांग्रेस और एआईएमआईएम नेता सलाहुद्दीन ओवैसी खासे खफा है। मध्यप्रदेश के छतरपुर में थाने पर पथराव के बाद शुरू हुए बुलडोजर एक्शन की चर्चा पूरे देश में है। इस पर राजनीतिक बयानबाजी भी हो रही है। वैसे 'बुलडोजर न्याय' को यूपी में सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल माना जाता है। लेकिन इसके भी काफी पहले बुलडोजर एक्शन की शुरुआत मप्र में 90 के दशक में तत्कालीन नगरीय विकास मंत्री बाबूलाल गौर ने की थी। उन्होंने शहरों से अतिक्रमण हटाने के लिए बड़े पैमाने पर बुलडोजर चलाने को अनुमति दी थी। इसके पीछे उद्देश्य शहरों की सड़कों को चौड़ा करना था। तब लोग उन्हें बुलडोजर मंत्री भी कहने लगे थे। बाद में योगी के बुलडोजर मॉडल को मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी आजमाया। एमपी में शिवराज सरकार की वापसी के बाद तो बुलडोजर की स्पीड बढ़ गई। शिवराज ने कुछ ऐसे बयान दिए जिससे वे 'बुलडोजर मामा' की छवि गढ़ते दिखे। नए निजाम में मप्र में बुलडोजर से मकान और दुकानों को ढहाने की सबसे बड़ी कार्रवाई 10 अप्रैल 2022 को हुई थी। दरअसल, खरगोन में रामनवमी के जुलूस पर पथराव हुआ था उसके बाद शहर में दंगे भड़क गए। इसके बाद 4 जून 2024 को मंडला में नैनपुर के भैंसवाही गांव में 11 घरों से 150 से ज्यादा गोवंश के अवशेष मिले थे। अगले दिन पुलिस और प्रशासन की टीम ने सभी 11 आरोपियों के अवैध घरों को बुलडोजर चलाकर ढहा दिया। उसके बाद पिछले साल सीधी पेशाब कांड के आरोपी का घर और उज्जैन में महाकाल की सवारी पर थूकने वाले का घर भी बुलडोजर से तोड़ा गया। मोहन यादव सरकार में पहली बुलडोजर की कार्रवाई भोपाल की एक कालोनी में भाजपा कार्यकर्ता का पंजा काटने वाले आरोपी के घर पर हुई। अब तो बुलडोजर की कार्रवाई लगभग आम हो गई है। सरकार का मानना है कि किसी भी अपराध में आरोपी के कानून के जरिए सजा दिलाने में वक्त लगता है। लेकिन बुलडोजर चलाना त्वरित न्याय की तरह है। इससे पीड़ित भी कुछ समय के लिए संतुष्ट हो जाते हैं। यह संवैधानिक तरीका नहीं है। लेकिन इससे वोट बैंक जरूर पक्का होता है। समर्थन से भी और विरोध करके भी।

नजरिया

डॉ. सत्येन्द्र किशोर मिश्र

लेखक विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में अर्थशास्त्र प्रोफेसर हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पुस्तकों पर सियासत को समझें

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उद्देश्य भारत में समग्र, लोचशील तथा बहुविषयक शिक्षा केन्द्रित व्यवस्था हेतु अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देकर शैक्षिक परिदृश्य का रूपान्तरण है। आजीवन पठन-पाठन एवं सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु पुस्तकें अत्यन्त महत्वपूर्ण होती हैं। एनईपी पुस्तकों, डिजिटल संसाधनों सहित पर्याप्त जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चत कर शिक्षण संस्थानों के तथा अन्य सार्वजनिक पुस्तकालयों को मजबूती प्रदान कर ज्ञान-विज्ञान को बढ़ावा देगी। पुस्तकों के महत्व को समझते हुए एनईपी, भारत में ज्ञानाधारित आत्मनिर्भर समाज के निर्माण में योगदान देने को न केवल तत्पर है, अपितु प्रौद्योगिकी आधारित ई-पुस्तकों, ई-पत्रिकाओं और अन्य डिजिटल संसाधनों तक विद्यार्थियों की पहुँच बढ़ाने को प्रयासरत है। ऐसे में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पुस्तक क्रय निर्देश पर उठे विवाद को समझने की जरूरत है।

एनईपी तर्कसंगत विचारवान बेहतर नागरिक का निर्माण करना चाहती है, जिसमें करुणा और संवेदना, साहस और लचीलापन, वैज्ञानिक स्वभाव और रचनात्मकता के साथ-साथ नैतिक मूल्य हो। यह भारत के संविधान में निहित समतापूर्ण, समावेशी और बहुलतावादी समाज की स्थापना के साथ-साथ आदर्श नागरिक निर्माण को संकल्पित है। एनईपी शिक्षार्थियों में न केवल विचार, बल्कि आत्मा, बुद्धि तथा कृतित्व में भारतीयता का भाव जागृत करेगी। यह ज्ञान, कौशल तथा नैतिक मूल्यों का विकास कर, मानवाधिकार, सतत विकास और विश्वकल्याण के प्रति जिम्मेदार वैश्विक नागरिक का निर्माण करेगी। गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संसाधनों का विकास, सामाजिक न्याय एवं समता, वैज्ञानिक उन्नति, राष्ट्रीय एकीकरण एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ विकसित भारत की बुनियाद है।

पुस्तकें मानव जीवन हेतु महत्वपूर्ण हैं, जो ज्ञान, बुद्धि तथा मस्तिष्क की कल्पनाशीलता एवं रचनात्मकता बढ़ाने के साथ-साथ दुनिया भर की विभिन्न संस्कृति, सभ्यता तथा सामाजिक जीवन की समझ बढ़ाती हैं। पुस्तकें पाठकों के साथ विचार तथा संदेश साझा करती हैं, लेखक के इरादे अलग-अलग अवश्य हो सकते हैं। पुस्तकें ज्ञान ही नहीं अपितु जीवन के सबक तथा प्रेम, भय और जीवन का हिस्सा बनने वाली बातें सिखाती हैं। एनईपी भारतीय भाषाओं में मनोरंजक और प्रेरणादायक पुस्तकों के लेखन को प्रेरित करते हुए, शैक्षणिक संस्थानों तथा सार्वजनिक पुस्तकालयों में पुस्तकों की उपलब्धता एवं पहुँच बढ़ाकर, पठन-पाठन की संस्कृति विकसित करने हेतु पुस्तकालयों और पुस्तकों के महत्व पर जोर देती है। एनईपी दिव्यांग और हासिए पर खड़े लोगों के लिए पुस्तकों की पहुंच सुनिश्चित करेगी। प्रयास होगा कि सभी के लिए पुस्तकें सुलभ और सस्ती हों, जिसमें सामाजिकार्थिक रूप से वंचित क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण और दूरदराज में रहने वाले लोग भी शामिल हैं। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की एजेंसियां तथा संस्थाएं भारतीय भाषाओं में प्रकाशित पुस्तकों की गुणवत्ता और आकर्षण में सुधार करने हेतु रणनीति तैयार करेंगी। समुदायों और शैक्षणिक संस्थानों में पठन-पाठन की आदत बढ़ाने हेतु पुस्तकों की उपलब्धता तथा पहुंच बेहद जरूरी है।

एनईपी द्वारा राष्ट्रीय पुस्तक संवर्धन नीति तैयार कर विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों और भाषाओं में शिक्षण सामग्री की पहुँच और उपलब्धता बढ़ाने हेतु व्यापक पहल की जाएगी। पुस्तकालय शैक्षणिक संस्थानों की आत्मा हैं और सरकार पुस्तकों, पत्रिकाओं और अन्य शिक्षण सामग्री की खरीद को मजबूत करेगी तथा बढ़ावा देगी। डिजिटल पुस्तकालयों तथा पुस्तकालय द्वारा पुस्तकों की ऑनलाइन पहुँच को बढ़ाने हेतु भी कदम उठाए जाएंगे। सरकार शिक्षण संस्थानों तथा सार्वजनिक पुस्तकालयों में पुस्तकों को व्यापक रूप से उपलब्ध कराने पर जोर देगी। सरकार आधुनिक आईसीटी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके दिव्यांगों तथा अन्य अलग-अलग तरह से अक्षम व्यक्तियों सहित सभी के लिए पुस्तकों की उपलब्धता और पहुंच सुनिश्चित करेगी। समुदायों की जरूरतों और हितों को पूरा करने वाली पुस्तकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। व्यापक पठन-पाठन तथा सामुदायिक विकास को प्रेरित करने हेतु देश भर में पुस्तकालय, सचल पुस्तकालय तथा सामाजिक पुस्तक क्लब गठित किये जाएंगे। समुदाय और छात्रों के लिए विशेषतः गांवों में गैर-स्कूल घंटों के दौरान, आईसीटी युक्त पुस्तकालय स्थापित किए जाएंगे।

भारतवर्ष में स्नातक स्तर पर एनईपी का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन करने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश सर्वप्रथम है। विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास हेतु स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम नये सिरे से तैयार किए गये हैं, परन्तु उनके अध्ययन-अध्यापन हेतु उच्च शिक्षण संस्थानों में पुस्तकों ही नहीं हैं। साथ ही महाविद्यालयीन ग्रन्थालयों में कौशल शिक्षा, योग्यता संवर्द्धन के पाठ्यक्रमों सहित भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित पुस्तकों की भारी कमी है। परन्तु विद्यार्थियों के भविष्य की चिन्ता करते हुए पुस्तकों के क्रय संबंधी उच्च शिक्षा विभाग के एक आदेश से बखेड़ा हो गया। विरोध है कि सरकारी क्रयादेश सूची में अमूमन एक तिहाई पुस्तकें खास विचारधारा के लेखकों की हैं। शिक्षा में भगवाकरण के रटे-रटाये आरोप लगाए जा रहे हैं। विवाद का मुद्दा पुस्तक की विषयवस्तु, पाठ्य सामग्री, अकादमिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण हेतु उपयोगिता एवं जरूरत नहीं, अपितु पुस्तक का लेखक कौन है, लेखक की विचारधारा क्या है, किस संगठन से संबिंधत है, इत्यादि पूर्वाग्रहग्रस्त एवं अतार्किक प्रश्न उठाकर सियासत की जा रही है।

पुस्तकालय विज्ञान के जनक तथा प्रख्यात विद्वान डॉ रंगनाथन का सिद्धांत वाक्य था कि हर पाठक को उसके पसंद की पुस्तक उपलब्ध होनी चाहिए, साथ ही प्रत्येक पुस्तक को पाठक उपलब्ध होना चाहिए, इस हिसाब से यह विवाद सर्वथा बेमानी है। क्या यह सही नहीं है कि प्रायः देश के सभी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में विभिन्न विचारधाराओं, मत-पन्थों, क्षेत्रों, कालखण्डों से संबंधित लेखकों के ग्रन्थ नहीं हैं। साम्यवाद, समाजवाद, पूँजीवाद, उदारवाद, अधिनायकवाद जैसे तमाम विचारधाराओं के संस्थापकों, पोषकों तथा समर्थकों की अनगिनत पुस्तकें पुस्तकालयों में निरंतर जगह बनाए हुए हैं, जिस तक सभी पाठकों की पंहुच निरन्तर सुलभ है। यदि पुस्तकालयों में कार्ल मार्क्स, एंजिल्स, लेनिन, हिटलर, मुसोलोनी जैसे अनेक लेखकों की पुस्तकें हो सकती हैं, तमाम वैश्विक तथा भारतीय राजनेताओं के ग्रंथ हो सकते हैं, साहित्य, सामाजिक विज्ञान संबंधी भिन्न-भिन्न वाद-प्रतिवाद के पोषकों के ग्रन्थों की उपलब्धता तथा खरीदी पर प्रश्न नहीं खड़े हुए तो, आज भारतवर्ष के सांस्कृतिक महापुरूष स्वामी विवेकानन्द की पुस्तक से परहेज क्यों? जस्टिस नजीर की पुस्तक से एतराज क्यों? विचारक वेद प्रताप वैदिक से दुराव क्यों? प्रसिद्ध शिक्षाविद् दीनानाथ बत्रा के महत्वपूर्ण अवदानों से इतनी नफरत क्यों? वैदिक गणित की संमृद्धि विरासत को न अपनाने की हठधर्मिता क्यों? विद्यार्थियों में चरित्र निर्माण एवं व्यक्त्वि विकास तथा मूल्याधारित शिक्षा की उत्कृष्ट पुस्तकों को नकारने की कोशिश क्यों? भारतीय ज्ञान परंपरा तथा संस्कृति आधारित पुस्तकों के क्रय पर इस कदर विवाद क्यों? पर्यावरण के प्रति संवेदनशील पुस्तकों को सिरे से नकार देने की जिद क्यों? पुस्तकों की छात्रोपयोगी एवं गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री को अनदेखा करने का दुराग्रह क्यों?

ऐसे में भारतीय ज्ञान परंपरा के अमूल्य ग्रंथों वेद, पुराण, स्मृतियों, तमिल, तेलगू, संस्कृत, पाली तथा प्राकृत जैसी संमृद्ध भारतीय भाषा के साहित्यों को भी नकारने का दुराग्रह हो सकता है। ऐसे महत्वपूर्ण प्रश्नों के तार्किक जवाब विवाद करने वालों के दिमाग में नहीं है। पुस्तकों का विरोध विषयवस्तु, पाठ्य सामग्री, अकादमिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों के लिए उपयोगिता की बुनियाद पर होता तो बात समझ में भी आती। वस्तुतः विवाद पूर्वाग्रहग्रस्त तथा सियासी है, विवाद पुस्तकों की गुणवत्ता तथा प्रासंगिकता का नहीं अपितु नकारने की हठधर्मिता लेखकों के कारण है, विरोध हेतु बहुत से कुतर्क दिये जा रहे हैं। ऐसी गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों के क्रय हेतु शासनदेश जारी करने के पीछे शायद अफसरशाही द्वारा सियासतदानों के चापलूसी की मनोवृत्ति अवश्य हो, परन्तु सच्चाई यह भी है कि ऐसी अमूल्य पुस्तकें शिक्षण संस्थानों के ग्रंथालयों में उनके स्वतः विवेक से होनी चाहिए थी।

विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास हेतु गुणवत्तापूर्ण पठन सामग्री अनिवार्य है। एनईपी छात्रों को उपयोगी तथा प्रेरणादायक पुस्तकें, जिसमें गुणवत्तापूर्ण अनुवाद भी शामिल हैं, उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है। पठन-पाठन की संस्कृति के निर्माण हेतु पुस्तकालयों को मजबूत करना होगा। मध्य प्रदेश के महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में एनईपी पाठ्यक्रमानुरूप पुस्तकों की बेहद कमी है। गुणवत्तापूर्ण तथा युगानुकूल प्रासंगिक पुस्तकों के अभाव में विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षक भी बेबस हैं। ऐसे में जरूरत है विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री के अनुरूप गुणवत्तायुक्त पुस्तकें उपलब्ध कराने की, न कि बेवजह बखेड़ा खड़ा कर, उनके भविष्य से खिलवाड़ करने की।

आपदा

प्रमोद भार्गव

लेखक पत्रकार हैं।

बाढ़ को लेकर बांग्लादेश की शरारत

मुस्लिम देश पाकिस्तान हो या बांग्लादेश सांप्रदायिक सोच की गिरफ्त में इतने हैं कि भारत पर कैसे आक्षेप लगाए जाएं, इसका अवसर तलाशने में लगे रहते है। भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने में कुछ ताकतें पूरा जोर लगा रही हैं। पहले पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में मिली शरण को लेकर तो अब बांग्लादेश में आई बाढ़ के पीछे भारत की भूमिका इतनी उग्रता के साथ बताई गई कि सीमा पर भारतीय सैन्य बलों की तरफ से गोलीबारी की अफवाहें तक सोशल मीडिया पर फैला दी गई। इसे लेकर वहां रह रहे हिंदुओं में तनाव इतना बढ़ गया कि ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने जब अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की तो यह अफवाह भी उड़ा दी गई कि उच्चायुक्त को तलब किया गया है। आखिरकार भारतीय विदेश मंत्रालय को दो बार आगे आकर अफवाहों का खंडन करना पड़ गया।

विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत के इलाके में स्थित बांध के द्वार खोलने की वजह से बांग्लादेश में बाढ़ के हालात बद्तर नहीं हुए है। दरअसल वहां के मीडिया ने यह सूचना दे दी की भारत में त्रिपुरी के गुमती नदी पर बने दुम्बुर बांध के द्वार खोल दिए गए है, जिससे बांग्लादेश के पूर्वी इलाके में बाढ़ आ गई। जबकि तथ्यात्मक सच्चाई यह है कि बांग्लादेश के जिस क्षेत्र में बाढ़ आई हुई हैं, वहां से दुम्बुर बांध की दूरी 120 किमी से भी ज्यादा है। यही नहीं यहां जो बिजली बनाई जाती है, उसमें से 40 मेगावाट बिजली बांग्लादेश को दी जाती है। भारत इस पूरे इलाके में नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी करता है। 21 अगस्त के बाद जो मूसलाधार बारिश त्रिपुरा और इस नदी के जल संग्रह क्षेत्र में हुई है, उसकी सूचना निरंतर बांग्लादेश को दी जाती रही है। 21 अगस्त 2024 को श्याम तीन बजे भी सूचना दे दी गई थी। इस क्षेत्र में विडंबना यह भी है कि भारत व बांग्लादेश के आर-पार जाने वाली 54 नदियां हैं। इन पर द्विपक्षीय संबंधों में नदियों के जल बंटवारें की भी बड़ी अहमियत है। तीस्ता नदी के जल बंटवारें को लेकर भी कई बार शेख हसीना से द्विपक्षीय वार्ताएं हुई हैं, लेकिन परिणाम तक नहीं पहुंच पाए। इन सब कारणों के संदर्भ में विदेष मंत्रालय का कहना है कि 'यह बिल्कुल गलत है कि बाढ़ नदी के द्वार खोलने की वजह से आई है। बाढ़ दोनों देशों के बीच एक साझा समस्या है, इससे दोनों देशों की जनता को परेशानी झेलनी पड़ती है। अतएव हर साल पैदा होने वाली इस समस्या से छुटकारे के लिए आपसी सहयोग से काम लेना होगा।'

भारी बारिश के चलते पूर्वोत्तर के राज्य त्रिपुरा में भीषण बारिश से ज्यादातर नदियां बाढ़ के पानी से लबालब है। 1900 जगह भूस्खलन हुआ है, जिसके चलते 17 लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और करीब एक दर्जन लोग मारे गए हैं। हजारों लोगों को 330 राहत शिविरों में शरण दी गई है। भूस्खलन से अनेक जगह सड़क संपर्क बाधित हो गया है। पश्चिमी त्रिपुरा और सिपाहीजला जिला सर्वाधिक बाढ़ की चपेट में है। त्रिपुरा के पड़ोसी राज्य मिजोरम की राजधानी आइजोल और कोलासिब का भी बुरा हाल है। सेना और एनडीआरएफ लगातार पानी में फंसे लोगों को निकाल रहे हैं। असम रायफल्स की चार टुकड़ियां इस काम में लगी हुई हैं। अतएव भारत खुद बाढ़ की चपेट में हैं। इस बाढ़ का प्रमुख कारण बांध के नीचे की ओर बढ़े जलग्रहण क्षेत्रों में पानी भर जाने के कारण आई है। वैसे भी दुम्बुर बांध 30 मीटर से भी कम ऊंचाई का बांध है। अतएव बांध की जलग्रहण क्षमता बहुत अधिक नहीं है। बांग्लादेश में बाढ़ से हालात खराब होने का एक बड़ा कारण वहां की सेना और राहत दलों द्वारा व्यापक पैमाने पर कोई कदम नहीं उठाना भी रहा है। दरअसल बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से ही कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब है। अंतरिम सरकार की तरफ से बार-बार निर्देश जारी किए जाने के बाबजूद ढाका व कुछ शहरों के ग्रामीण इलाकों के ज्यादातर पुलिस थाने अभी भी खाली पड़े हुए हैं। भीड़ का निशाना बनने के डर से पुलिसकर्मी ड्यूटी पर नहीं आ रहे हैं। ऐसी विषम स्थिति में भारतीय उच्चायुक्त भी अपने कार्यालय और परिसंपत्तियों को बचाने की चिंता में है। जबकि यह मुद्दा प्रणय वर्मा महोम्मद यूनुस के समक्ष उठा चुके है। साफ है, यूनुस ने भारत को महत्वपूर्ण पड़ोसी देश बताकर स्थानीय कट्टरपंथियों को नसीहत जरूर दी है, लेकिन भारत विरोधी अराजक तत्वों पर लगाम लगाने में अंतरिम सरकार सफल होते नहीं दिख रही है। इससे यह भी आशंका होती है कि जब भारतीय उच्चायुक्त ही संकट में है। तो इस बात पर कैसे संतोष कर लिया जाए कि वहां रहने वाले हिंदू अल्पसंख्यक सुरक्षित और भयमुक्त हैं ?

भारत एवं बांग्लादेश के बीच बहने वाली नदियों के जल बंटवारे को लेकर समझौते की बातचीत 25 वर्ष से चल रही है। शेख हसीना और नरेंद्र मोदी की 2022 में परस्पर हुई बातचीत के बाद कुशियारा नदी के संदर्भ में अंतरिम जल बंटवारा समझौते पर हस्ताक्षर भी हो गए हैं। 1996 में गंगा नदी जल-संधि के बाद इस तरह का यह पहला समझौता है। इसे अत्यंत महत्वपूर्ण समझौता माना गया है। यह भारत के असम और बांग्लादेश के सिलहट क्षेत्र को लाभान्वित करेगा। 54 नदियां भारत और बांग्लादेश की सीमाओं के आरपार जाती हैं और सदियों से दोनों देशों के करोड़ों लोगों की आजीविका का मुख्य साधन बनी हुई हैं। इन नदियों के किनारों पर मानव सभ्यता के विकास के साथ सृजित हुए लोक गीत और लोक कथाएं, धर्म एवं संस्कृति की ऐसी धरोहर हैं ,जो मानव समुदायों को लोक कल्याण का पाठ पढ़ाने के साथ नैतिक बल मजबूत बनायें रखने का काम करती हैं। बावजूद दोनों देशों के बीच बहने वाली तीस्ता नदी के जल बंटवारे को अंतिम रूप अब तक नहीं दिया जा सका है।

नदियों के जल-बंटवारे का विवाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर भी विवाद का विषय बना रहा है। ब्रह्मपुत्र को लेकर चीन से, तीस्ता का बांग्लादेश से, झेलम, सतलुज तथा सिंधु का पाकिस्तान से और कोसी को लेकर नेपाल से विरोधाभास कायम है। भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में खटास सीमाई क्षेत्र में कुछ भूखंडों, मानव-बस्तियों और तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर पैदा होता रही है। हालांकि दोनों देशों के बीच संपन्न हुए भू-सीमा समझौते के जरिए इस विवाद पर तो कमोबेस विराम लग गया, लेकिन तीस्ता की उलझन बरकरार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2015 में बांग्लादेश यात्रा पर गए थे, तब ढाका में द्विपक्षीय वार्ता भी हुई थी, लेकिन तीस्ता की उलझन, सुलझ नहीं पाई थी।

तीस्ता के उद्गम स्त्रोत पूर्वी हिमालय में स्थित सिक्किम राज्य के झरने हैं। ये झरने एकत्रित होकर नदी के रूप में बदल जाते हैं। नदी सिक्किम और पश्चिम बंगाल से बहती हुई बांग्लादेश में पहुंचकर ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है। इसलिए सिक्किम और पश्चिम बंगाल के पानी से जुड़े हित इस नदी से गहरा संबंध रखते हैं। तीस्ता नदी सिक्किम राज्य के लगभग समूचे मैदानी क्षेत्रों में बहती हुई बंग्लादेष की सीमा में करीब 2800 वर्ग किमी क्षेत्र मे बहती है। नतीजतन इन क्षेत्रों के रहवासियों के लिए तीस्ता का जल आजीविका के लिए वरदान बना हुआ है। इसी तरह पश्चिम बंगाल के लिए भी यह नदी बांग्लादेश के बराबर ही महत्व रखती है। बंगाल के छह जिलों में तो इस नदी की जलधारा को जीवन-रेखा माना जाता है। भारत और बांग्लादेश के मध्य द्विपक्षीय सहयोग की शुरुआत इस देश के अस्तित्व में आने के वर्ष 1971 में ही हो गई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान से अलग होने वाले स्वतंत्र राष्ट्र बांग्लादेश का समर्थन करते हुए अपनी शांति सेना भेजी और इस देश को पाक की गुलामी से मुक्त कराया। इस कारण दोनों देशों के बीच भावनात्मक संबंध हिंदुओं पर अत्याचार के बावजूद कायम हैं। 1983 में दोनों देशों के बीच एक तदर्थ जल हिस्सेदारी पर संधि हुई थी, जिसके तहत 39 एवं 36 प्रतिशत जल बंटवारा तय हुआ। इस समझौते द्वारा तीस्ता नदी के जल वितरण का समान आवंटन का प्रस्ताव ही नई द्विपक्षीय संधियों का अब तक आधार बना हुआ है। यदि तीस्ता समेत अन्य नदियों पर जल बंटवारें के समझौते हो जाते हैं तो बाढ़ की समस्या स्थायी हल बन सकती है।

जिंदगी का एक मकसद यह भी होना चाहिए ....

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

दशकों पहले यह गीत चर्चित हुआ था कि 'जीना तो है उसी का जिसने यह राज जाना - है काम आदमी का औरों के काम आना', सचमुच किसी के काम आना अंतरंग की प्रसन्नता का कारण बन जाता है। लेकिन वर्तमान दौर की आपाधापी में लगभग हर एक आदमी केवल और केवल अपने और अपनों के लिए जी रहा है। पराये दर्द की अनुभूति करने का उसके पास समय नहीं है। स्थिति यहां तक विकट होने लगी है कि पारिवारिक रिश्तो के उत्तरदायित्व तक से अनेक अवसरों पर मुंह मोड़ लिया जाता है। ऐसे में परायों की चिंता तो बहुत दूर की बात हो जाती है। पत्नी और बच्चों के अतिरिक्त शेष परिजनों के दुख-सुख में भागीदारी कहीं-कहीं बोझ समझ ली जाती है।

नई पीढ़ी बहुत तेजी के साथ आभासी दुनिया में विचरण करने लगी है। परिवार के सदस्य जाहिर तौर पर एक दूसरे के साथ भी रहे तो हर कोई अपनी ही दुनिया में खोये हुए दिखाई देते हैं। दूसरी तरफ सीमित परिवार के चलन ने पारिवारिक रिश्तों के स्वरूप को ही काफी हद तक हर लिया लगता है। संयुक्त परिवार की अवधारणा अब लगभग बीते समय की बात होती जा रही है। जबकि संयुक्त परिवार नई पीढ़ी के चरित्र निर्माण की आधारशिला रखने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते रहे थे। पाठशाला से लेकर विश्वविद्यालयीन स्तर तक के ज्ञान केंद्र जहां लौकिक शिक्षा प्रदान करते थे वहीं परिवार के सदस्यों का आचार विचार और व्यवहार भावी पीढ़ी में उच्च स्तरीय संस्कारों का बीजारोपण करने में सहायक होता था।

लेकिन अब, अब वह दौर नही रहा। अब तो भौतिक संसार में यूज एंड थ्रो की रीति-नीति का अनुसरण पारिवारिक रिश्तों की मर्यादा तक को तार-तार करने लगा है। एक प्रकार से काफी हद तक व्यक्ति आत्म केंद्रित होता जा रहा है। इसके चलते मानवीय संवेदना के भाव विलोपित होते जा रहे हैं। उच्चशिक्षित समाज में बच्चों को बेहतर से बेहतर सुख-सुविधा चाहे भरपूर हो, लेकिन उनमें पारिवारिक संस्कारों का बीजारोपण होने का वातावरण निर्मित नहीं हो पा रहा। समुचित संस्कार के अभाव में पारिवारिक रिश्तों की मर्यादा के महत्व से सर्वथा अपरिचित भावी पीढ़ी निकट भविष्य में कैसे समाज का निर्माण करेगी ? यह कल्पना की जा सकती है। हालांकि देशकाल और परिस्थिति के अनुसार हर किसी को अपने आप में आवश्यक परिवर्तन लाने पड़ते हैं।

बावजूद इसके अपनी आदि-अनादिकालीन सभ्यता और संस्कृति को विस्मृत कर देना किसी भी दृष्टि से उचित करार नहीं दिया जा सकता। दरअसल प्रगति की दौड़ में हम अपनी सभ्यता और संस्कृति से जाने-अनजाने दूर होते जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि यह स्थिति केवल शहरी परिवेश में ही दिखाई देती है। हकीकत यह है कि अब तो नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी ऐसी संस्कृति का चलन देखा जा सकता है। कभी-कभी तो लगता है कि तथाकथित प्रगति के नाम पर हम बहुत बड़ी कीमत चुका रहे हैं। विकास की ऐसी अंधी दौड़ में हम अपनी मूलभूत जड़ों से कोसों दूर होते जा रहे हैं। पता नहीं यह सिलसिला कहां जाकर थामेंगा? या कि थमेगा भी या नहीं ? खैर जो भी हो, वैसे कुल मिलाकर हम घाटे का सौदा ही तो कर रहे हैं। इन तमाम परिस्थितियों में यह बहुत दूर की बात हो जाती है कि आदमी परायों की भी चिंता करते हुए उनके दुख-सुख में भागीदारी करें। परिस्थितिवश जो जहां है, वहां अपने आसपास के परिवेश में अपने-पराये के भेद से परे पर दुख कातरता का भाव रखें, तो अत्र-तत्र-सर्वत्र परस्पर बंधुत्व की भावना जागृत हो सकती है। अन्यथा एक ही परिवार के परिजन कहीं कोई दुख के महासागर में डूबे होंगे तो कोई चरम सुख का आनंद लेते दिखाई देंगे। वैसे भी संसार में 'इस हाथ दे और उस हाथ ले' का गणित ही तो काम करता है। हम किसी अन्य के प्रति अच्छे भाव रखेंगे तो कोई अन्य हमारे यहां हमारे परिवार के प्रति अच्छे भाव ही तो रखेंगे। वैसे भी तो भौतिक संसाधन के चलते दुनिया काफी सिमट ही गई है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

लेखक व्यंग्यकार हैं।

हर मर्ज़ की दवा : आयोग

हमारा देश 'आयोग प्रधान' बन चुका है। हर समस्या के समाधान के लिए सबसे पहले एक आयोग का गठन करना सरकार की आदत बन चुकी है। यह काम इतना आम हो गया है कि जैसे ही कोई समस्या सामने आती है, सरकार एक नए आयोग की घोषणा कर देती है, मानो यह कोई जादुई समाधान हो। सरकारी दफ्तरों में धूल खाती हुई आयोगों की रिपोर्टों का ढेर लगा हुआ है, और अगर इन सभी रिपोर्टों को इकट्ठा किया जाए, तो उनसे शायद भारत गेट तक की ऊंचाई बन जाए। फिर वहां से खड़े होकर सरकार एक और आयोग के गठन की घोषणा कर सकती है। आखिरकार, हमारे यहां आयोग गठित करना तो राष्ट्रीय परंपरा बन चुका है, भले ही उनकी रिपोर्टों का हाल वही हो जो सालों से हो रहा है–कभी किसी कोने में दबकर धूल चाटते रहना।

आयोगों का कार्यकाल भी ऐसा होता है, जैसे कोई अंतहीन सफर। जब भी कोई मुद्दा थोड़ा शांत होने लगता है, आयोग का कार्यकाल बढ़ा दिया जाता है। सरकारें बड़ी चालाकी से कहती हैं, 'अरे! काम चल रहा है, आयोग की जांच जारी है।' जता बेचारी भूल जाती है कि यह वही आयोग है जिसे किसी पुराने मसले के लिए बनाया गया था। और जब कभी रिपोर्ट आती है, तो उनके सुझाव इतने उलझे हुए होते हैं कि किसी को समझ में ही नहीं आता कि क्या किया जाए। इस बीच, नाम जुड़ते-घटते रहते हैं, और हर बार एक नया 'चूं-चूं का मुरब्बा' बनकर तैयार हो जाता है।

अब जब इतने सारे आयोग बने हैं, तो उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठना भी स्वाभाविक है। कुछ लोग सवाल करते हैं कि 'आयोग' सच में अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है, या यह सब एक दिखावा है? और इसी बीच कुछ लोग आयोग के कार्यक्षेत्र को बढ़ाने की मांग करते हैं, ताकि उनका भी हिस्सा इस मजेदार खेल में बन सके। आखिरकार, यह आयोग की मिठाई तो उन नौकरशाहों के लिए ही होती है जो इस 'चूं-चूं के मुरब्बे' का स्वाद चखकर अपना पेट भरते रहते हैं। और जहां तक जनता का सवाल है, उसे तो सिर्फ एक ही आयोग की खबर होती है–वेतन आयोग।

वेतन आयोग की रिपोर्ट का इंतजार सरकारी कर्मचारियों को कुछ ऐसा होता है, जैसे किसान को मानसून का इंतजार। जैसे ही वेतन आयोग की रिपोर्ट आती है, महंगाई, कर्ज की मात्रा, और जीवन स्तर सब कुछ एक साथ आसमान छूने लगते हैं। यह एक ऐसा सपना होता है जिसमें कर्मचारीगण यह सोचने लगते हैं कि वे अपने जीवन में कुछ बड़ा कर रहे हैं, हर जोखिम उठाने को तैयार हैं। लेकिन तभी बाजार का असली रूप सामने आता है और उन्हें सच्चाई से रूबरू कराता है–'अब जागो, यह सब सिर्फ एक सपना था।'

अब जब इतने सारे 'फालतू' आयोग बनते रहते हैं, तो क्यों न कुछ काम के क्षेत्रों में भी आयोग का गठन हो जाए? सबसे पहले, शिक्षा के क्षेत्र में एक आयोग की सख्त जरूरत है। इस आयोग का काम यह देखना होगा कि हमारे शिक्षा संस्थान क्यों इतने पिछड़े हुए हैं? आखिरकार, डिग्रियां बांटने की मशीन बन चुके विश्वविद्यालयों में से असल शिक्षा कहां गायब हो गई है? क्यों नये विचारों और नवाचारों का अभाव है? और क्यों शिक्षकगण अपना ज्ञान सिर्फ किताबों तक सीमित रखते हैं, बजाय उसे जीवन में उतारने के?

इसी तरह खेल के क्षेत्र में भी एक आयोग की आवश्यकता है। आखिर क्यों हमारे खिलाड़ी हर बड़े टूर्नामेंट में निराशा का सामना करते हैं? क्या इसकी वजह खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं की कमी है, या फिर खेल संघों में व्याप्त राजनीति? हमें उन खेलों पर भी ध्यान देना चाहिए जिनमें हमारी पकड़ मजबूत हो सकती है, जैसे–फाइल पासिंग, सरकारी योजनाओं की देरी, और विभागीय पत्र-व्यवहार। क्यों न इन खेलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाई जाए?

अब भ्रष्टाचार पर भी एक आयोग का गठन होना चाहिए, हालांकि यह काफी जोखिम भरा है। क्योंकि भ्रष्टाचार इतना गहरा जड़ जमा चुका है कि इस पर कोई भी आयोग बनने से पहले ही खत्म हो सकता है। अगर यह आयोग बना तो इसे किसी कद्दावर, ईमानदार व्यक्ति के नाम पर रखा जाना चाहिए, जैसे–महात्मा गांधी आयोग या चाणक्य आयोग। इस आयोग का कार्यक्षेत्र व्यापक होना चाहिए, क्योंकि भ्रष्टाचार हमारे समाज की रग-रग में बसा हुआ है। यह निर्णय करना बेहद कठिन होगा कि किसे जांच के दायरे में लाया जाए और किसे बाहर रखा जाए।

भ्रष्टाचार के बढ़ने के कारण क्या हैं–मजबूरी, लालच, आदत, या फिर स्टेटस सिंबल? कौन-कौन से चेहरे भ्रष्ट हैं? और कितना धन भ्रष्टाचार के कारण आम जनता तक नहीं पहुंच पा रहा है? इन सवालों से यह आयोग दूर ही रहे तो बेहतर होगा, नहीं तो यह भी किसी बीमार इकाई की तरह जल्द ही बंद हो जाएगा।

इन सब मुद्दों पर विचार करते हुए, मेरा सरकार से विनम्र सुझाव है कि जब आयोग बनाना ही है, तो ऐसे आयोग बनाए जाएं जो असल में समाज के हित में काम करें। लेकिन ध्यान रहे, वो सिर्फ समस्याओं पर चर्चा करें, समाधान की जिम्मेदारी न लें। क्योंकि अगर यह आयोग भ्रष्टाचारियों पर उंगली उठाने लगे, तो फिर आप जानते ही हैं कि भ्रष्टाचार के हाथ कानून के हाथ से ज्यादा लंबे होते हैं।

भारतीय आबादी

अनिल त्रिवेदी

लेखक वरिष्ठ अधिवक्ता हैं।

तरूणाई की बहुलता और भविष्य की दिशा

भारतीय समाज या समूची मानव सभ्यता में ज्ञान की परम्परा या पद्धति मनुष्य- मनुष्य के बीच ही प्रत्यक्ष तौर पर एक दूसरे से आमने-सामने सानिध्य में रहकर ज्ञानार्जन करने से ही चलती आई है। पर सूचना तकनीक पद्धति के जन्म और दुनिया के चप्पे-चप्पे में एकाएक सारी दुनिया फैल जाने से भारत सहित दुनिया भर में ज्ञान हासिल करने और आपसी व्यवहार की समूची पद्धति ही बदल गई है। भारतीय समाज में सोच व्यवहार और जीवन जीने के परम्परागत तौर तरीकों में बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं।

भारत सभ्यता, संस्कृति, पारिवारिकता और दर्शन के संदर्भ में बहुत प्राचीन समय से अपनी मौलिक समझ और व्यापक जीवन शैली से जीवन जीने वाला देश है। भारतीय जीवन पद्धति,कृषि, पशुपालन, दस्तकारी ,परिवार व स्थानीय लोगों से प्रत्यक्ष व्यवहार के साथ ही दुनिया भर से समुद्री और सड़क मार्ग से व्यापार की प्राचीन परम्परा वाला देश समाज रहा है। भारत की मौलिक ज्ञान दर्शन की अपनी दीर्घ परम्परा रहीं हैं। आवागमन के संसाधनों की कमी होते हुए भी ज्ञान, दर्शन और व्यापार की समझ वाले भारतीय मनुष्य ने जीवन के हर क्षेत्र में अपना अनोखा अनुभवजन्य योगदान दिया है। भारतीय समाज में आज के कालखंड में एक विशेष परिवर्तन हुआ है।जो आधुनिक काल के भारतीय समाज में उभरती हुई सबसे बड़ी चुनौती है। भारतीय समाज या समूची मानव सभ्यता में ज्ञान की परम्परा या पद्धति मनुष्य- मनुष्य के बीच ही प्रत्यक्ष तौर पर एक दूसरे से आमने-सामने सानिध्य में रहकर ज्ञानार्जन करने से ही चलती आई है। पर सूचना तकनीक पद्धति के जन्म और दुनिया के चप्पे-चप्पे में एकाएक सारी दुनिया फैल जाने से भारत सहित दुनिया भर में ज्ञान हासिल करने और आपसी व्यवहार की समूची पद्धति ही बदल गई है। भारतीय समाज में सोच व्यवहार और जीवन जीने के परम्परागत तौर तरीकों में बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं। आज जब भारतीय आबादी में युवा आबादी सबसे बड़ी संख्या वाली आबादी बन गई है।आज भारत में शून्य से लेकर चौदह वर्ष की आयु वर्ग के नागरिक भारतीय आबादी का पच्चीस प्रतिशत हो गये है और शून्य से लेकर पैंतीस वर्ष तक की आयु के नागरिकों की आबादी कुल आबादी का पैंसठ प्रतिशत हो गया है। यानी भारत की आबादी में युवा आबादी सारी दुनिया में सर्वाधिक है।

भारतीय युवा ने पिछले दो-तीन दशकों में सारी दुनिया में अपने ज्ञान और सपनों को साकार कर दुनिया के प्रत्येक देश में और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है। भारतीय युवा की इस लंबी छलांग ने भारतीय समाज में कई सारे नए सवाल खड़े किए हैं। सूचना तकनीक जन्य रोजगार के वैश्विक अवसरों के कारण भारत से बड़ी संख्या में युवा आबादी के समूची दुनिया में जाने से भारतीय समाज की संकल्पनाओं में मौलिक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। दूर के देशों में बसे भारतीय युवा और भारत में ही अपने सपनों में रंग भरने में लगी विशाल युवा आबादी का अधिकांश अपने घर परिवार से दूर रहकर अपने भविष्य के सपनों को साकार करने हेतु हरसंभव प्रयास करने में लगा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था ने भारत के युवाओं को अवसरों की तलाश में अपने घर परिवार से दूर कर दिया है। भारत के छोटे बड़े शहरों में हर कहीं एक दृश्य यह आम होता जा रहा है कि दुनिया में सर्वाधिक बच्चे और युवा आबादी वाले देश होने के बाद भी भारत के शहरों कस्बों के रहवासी बसाहटों में बच्चों और युवाओं का अभाव दिखाई देता है। भारत में बच्चे और युवा शक्ति की बहुलता होते हुए भी बच्चों और युवाओं को माता पिता या परिवार का निकट सानिध्य सुलभ नहीं है। भारतीय परिवार आभासी मुलाकात और व्यवहार की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।गांव कस्बों के बच्चे अवसर की तलाश में बड़े और मझौले शहरों में रहने आ गये या पढ़ लिख कर विदेश या देश के बड़े शहरों में सूचना तकनीक के संस्थानों में चले गए। ठंड के मौसम में जैसे ठंडे मुल्कों से प्रवासी पक्षी भारत के कई हिस्सों में आते हैं वैसे ही भारत के घरों में भी प्रवासी युवा पीढ़ी अपने घर परिवार में आकर चले जाते हैं। इसी तरह भारतीय समाज में माता पिता की भूमिका भी तेजी से बदल रही है। माता पिता भी दो चार या छः महीने के लिए अपने घर से निकल कर विदेश में बच्चों के पास रह आते हैं।पढे लिखे दिमागकश भारत और निरक्षर मेहनतकश भारत दोनों की नियति एक समान हो गई है। गांव समाज में काम और अवसर के अभाव ने परिवार के सदस्यों को शहरों में काम की तलाश में जाने का रास्ता दिखाया। जिससे गांव में खेत खलिहानों में काम करने वाले कम हो गये। शहरों में होस्टल खचाखच भीड़ भरे होते जा रहे हैं। भारतीय समाज में इस बदलाव से समृद्धि की चाह तो बढ़ी पर घर परिवार और समुदाय खाली होते जा रहे हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था ने भारतीय समाज की गहराई को सतह पर ला दिया है। भारतीय परिवार और समाज आर्थिक विकास की चकाचौंध में अपनी प्राकृतिक जीवन शैली से दूर होकर अपनेपन को घर परिवार और समाज में निरंतर खो रहा है। भीड़ तो शहरी दुनिया में बढ़ती ही जा रही है पर सर्वाधिक युवा आबादी वाले भारत मे परिवार आभासी दुनिया का आचार विचार और व्यवहार तेजी से सीख रहे हैं।यह आज के काल की चुनौती है जिसका हल भी युवा और वरिष्ठ आबादी को हिल मिल कर ही खोजना होगा।

स्मृति शेष

राजेन्द्र शर्मा

लेखक राज्य कर अधिकारी हैं।

पहली महिला सितार वादक मंजू नंदन मेहता

पंडित रविशंकर की शिष्याम और देश की पहली महिला सितार वादक 79 वर्षीय मंजू नंदन मेहता बीते मंगलवार (20 अगस्त 2024) को अपने विरासत अपनी दोनों बेटियों पूर्वी और हेतल के हवाले कर इस फानी दुनिया से अलविदा कह गयी। मंजू ने अपने अदम्य साधना के बल पर ऐसे समय में सितार वादन की दुनिया में कदम रखा था कि जब यह माना जाता था कि सितार वादन में दक्षता प्राप्त करने के लिए आवश्यक दैनिक कठिन अभ्यास के कई घंटे सहन करने की क्षमता महिलाओं में कम होती है परन्तु मंजू ने यह कर दिखा दिया कि महिलायें किसी मायने में पुरुषों से कम नहीं है।

जयपुर (राजस्थान) के संगीत प्रेमी परिवार में 21 मई 1945 को जन्मी मंजू के पिता मनमोहन भट्ट और मां चंद्रकला भट्ट संगीत के पंडित थे और उन्होंने कई विदेशियों को भारतीय संगीत सिखाया था। पैदाइश के समय से ही सात सुरों की गंगा की प्रतिध्वनियों में गोते लगाने वाली मंजू को सितार के प्रति लगाव बचपन से था। मंजू मेहता ने सबसे पहले सितार की तालीम अपने बड़े भाई पंडित शशि मोहन भट्ट से ली। उन्होंने महज 11 सालकी उम्र में बच्चों के एक कार्यक्रम में सितार बजाकर सितार के प्रति अपनी दीवानगी दिखा दी थी। जहां चाह वहां राह, मंजू की सितार की प्रति दीवानगी के चलते ही पंडित रविशंकर ने उन्हें अपनी शिष्या बनाना स्वीकार किया। संगीत साधना के साथ-साथ मंजू मेहता ने गंधर्व महाविद्यालय से संगीत में मास्टर डिग्री में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मैहर घराने की सितार वादक के रूप में मंजू मेहता का पहला परफॉर्मेंस 1964 में जयपुर में हुआ था । अपने 79 साल के जीवन के सफर में मंजू मेहता ने कई कार्यक्रम देकर दुनिया भर के संगीत प्रेमियों के दिलों में खास जगह बनाई। आकाशवाणी ने मंजू मेहता को पूरे देश में प्रथम स्थान दिया। मंजू मेहता कोसंगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

संगीत के प्रति जीवन भर समर्थित रही मंजू का विवाह अहमदाबाद के तबला वादक स्व.नंदन मेहता से विवाह वर्ष 1967 में हुआ और दोनों ने संगीत वाद्ययंत्रों के कलाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य 9 से 1980 में विश्व प्रसिद्ध सप्तोक स्कूल ऑफ म्यूजिक इंस्टीट्यूट की स्थापना की, जिसके माध्यम से बीते पचास सालों से अहमदाबाद मे शास्त्रीय संगीत के महाकुंभ सप्तक का आयोजन अनवरत रुप से होता रहा।

मंजू ने सितार वादन के क्षेत्र में नये नये प्रयोग कर तारों की रुकी हुई प्रतिध्वनि के साथ कुछ तेज़ अनुक्रम तैयार किये। मंजू में अपने सितार वादन से विभिन्नी रागों में जान फूंकने की अदभुत प्रतिभा के फलीभूत ही सरोद वादक उस्ताद अली अकबर खान कहा करते थे कि मंजू असाधारण क्षमता की रचनात्मक कलाकार हैं।

बड़े कलाकार सामान्य रुप से संगीत की युवा पीढ़ी से निराश ही रहते है परतु मंजू को युवा कलाकार और युवा श्रोता ही पसंद थे । वह कहती थी कि युवा अपनी प्यास और आनंद के लिए शास्त्रीय संगीत सीखें क्योंकि यह गौरव की बात नहीं है, बल्कि अभ्यास, अनुशासन और रियाज़ की बात है। लोगों को शास्त्रीय संगीत सीखने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए... मैं अक्सर माता-पिता से कहती हूँ कि वे अपने बच्चों को संगीत सीखने के लिए मजबूर न करें। हर कला भीतर से आती है, इसे बाहर से भी निखारा जा सकता है, लेकिन शुरुआत स्वाभाविक होनी चाहिए।

जीवन भर संगीत की नयी पीढ़ी को तराशने में जुटी रही मंजू अपनी विरासत अपने दोनों बेटियां पूर्वी और हेतल के सुपुर्द कर गयी है । बड़ी बेटी पूर्वी सितार वादक है और छोटी बेटी हेतल पिता नंदन मेहता के राह पर तबला वादक है । उम्मीद की जानी चाहिए कि पिता नंदन मेहता और मां मंजू नंदन मेहता ने बीते पचास सालों में सप्तदक के माध्यम से जो इमारत खड़ी की है, उनकी बेटियां इसे और बेहतर बनायेगी।

पहल

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

लेखक वरिष्ठ मनोचिकित्सक हैं।

सुदृढ़ भारत का निर्माण करेगा श्रीकृष्ण का पाठ्यक्रम में समावेश

भगवान कृष्ण के जीवन और चरित्र का अध्ययन करने से छात्रों में ईमानदारी, करुणा और निस्वार्थता जैसे नैतिक मूल्य पैदा हो सकते हैं। कर्तव्य, जिम्मेदारी और आत्म-अनुशासन के महत्व पर उनकी शिक्षाएं छात्रों को एक मजबूत नैतिक दिशा-निर्देश विकसित करने में मदद कर सकती हैं। जैसा कि महाभारत में प्रदर्शित है, भगवान कृष्ण का अनुकरणीय नेतृत्व कौशल छात्रों को प्रभावी नेता बनने, कठिन निर्णय लेने और अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेने में सक्षम बनाने के लिए प्रेरित कर सकता है।

ब्रह्मांड के पहले मनोचिकित्सक भगवान श्री कृष्ण ज्ञान, साहस और धार्मिकता के अवतार हैं। उनका जीवन और शिक्षाएं दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति रही हैं। उनके जीवन और चरित्र को पाठ्यक्रम में शामिल करने से छात्रों के विकास, उनके मूल्यों को आकार देने और उनके विश्व दृष्टिकोण पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

नैतिक मूल्य: भगवान कृष्ण के जीवन और चरित्र का अध्ययन करने से छात्रों में ईमानदारी, करुणा और निस्वार्थता जैसे नैतिक मूल्य पैदा हो सकते हैं। कर्तव्य, जिम्मेदारी और आत्म-अनुशासन के महत्व पर उनकी शिक्षाएं छात्रों को एक मजबूत नैतिक दिशा-निर्देश विकसित करने में मदद कर सकती हैं।

लीडरशिप: जैसा कि महाभारत में प्रदर्शित है, भगवान कृष्ण का अनुकरणीय नेतृत्व कौशल छात्रों को प्रभावी नेता बनने, कठिन निर्णय लेने और अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेने में सक्षम बनाने के लिए प्रेरित कर सकता है।

इमोशनल इंटेलिजेंस: भगवान कृष्ण के रिश्तों की कहानियां, जैसे सुदामा के साथ उनकी दोस्ती और राधा के लिए उनका प्यार, छात्रों को भावनात्मक बुद्धिमत्ता, सहानुभूति और जटिल मानवीय भावनाओं की समझ विकसित करने में मदद कर सकती हैं।

क्रिटिकल थिंकिंग: भगवान कृष्ण के जीवन और शिक्षाओं का विश्लेषण करने से आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा मिल सकता है, क्योंकि छात्रों को उनके सिद्धांतों की व्याख्या करने और उन्हें वास्तविक जीवन की स्थितियों में लागू करने की आवश्यकता होती है।

सांस्कृतिक जागरूकता: भगवान कृष्ण के जीवन का अध्ययन सांस्कृतिक जागरूकता और प्रशंसा को बढ़ावा दे सकता है, जिससे छात्रों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और वैश्विक संदर्भ में इसके महत्व को समझने में मदद मिलेगी।

भाषा कौशल: भगवान कृष्ण की कहानियों और शिक्षाओं को पढ़ने और उन पर चर्चा करने से भाषा कौशल में सुधार हो सकता है, क्योंकि छात्र जटिल पाठों से जुड़ते हैं और अपने संचार कौशल विकसित करते हैं।

तनाव प्रबंधन: आत्म-नियंत्रण, वैराग्य और आंतरिक शांति के महत्व पर भगवान कृष्ण की शिक्षाएं छात्रों को तनाव और चिंता का प्रबंधन करने में मदद कर सकती हैं, जिससे बेहतर मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण हो सकता है।

सहानुभूति और करुणा: भगवान कृष्ण के जीवन का अध्ययन सहानुभूति और करुणा को प्रोत्साहित कर सकता है, सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक सेवा की भावना को बढ़ावा दे सकता है।

आत्म-जागरूकता (सेल्फ अवेयरनेस): भगवान कृष्ण के जीवन और शिक्षाओं पर चिंतन करने से छात्रों को आत्म-जागरूकता विकसित करने में मदद मिल सकती है, जिससे वे अपनी ताकत, कमजोरियों और लक्ष्यों को पहचानने में सक्षम हो सकते हैं।

समग्र रूप से हम यह कह सकते हैं कि भगवान श्री कृष्ण के जीवन और चरित्र को पाठ्यक्रम में शामिल करने से छात्रों के चरित्र विकास, शैक्षणिक प्रदर्शन और सामाजिक और भावनात्मक कल्याण पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। उनके जीवन और शिक्षाओं का अध्ययन करके, छात्र आवश्यक जीवन कौशल, मूल्य और दृष्टिकोण विकसित कर सकते हैं जो उन्हें जीवन भर लाभान्वित कर सकते हैं।

गायक मुकेश की पुण्यतिथि पर विशेष

गीतों भरी पुष्पांजलि

लाल बहादुर श्रीवास्तव,मंदसौर

धीरे -धीरे शाम ढलने लगी
चांद तारे आसमां पर
झिलमिल झिलमिल सजने लगे
आपस में अठखेलियां करने लगे
चांद आहे भरने लगा.....
रात धीरे धीरे गहराने लगी
खामोशी हर तरफ छाने लगी
ऐसे में शांत एकाग्र मन मेरा
अपनी छत पर टहलता हुआ,
रेडियों मेरा गीत गुनगुनाने लगा.....
मुझको इस रात की तन्हाई में
आवाज न दो ....आवाज न दो,
सजन रे झूठ मत बोलो
खुदा के पास जाना है.....
भूली हुई यादों,मुझे इतना न सताओ
अब चैन से रहने दो ,मेरे पास न आओ,
आज तुमसे दूर होके ऐसे रोया मेरा प्यार
चांद रोया साथ मेरे,रात रोई बार बार,
हां दिवाना हूं मैं हां दीवाना हूं मैं
ग़म का मारा हुआ एक बेगाना हूं मैं,
हम तुमसे मुहब्बत करके सनम
रोते भी रहे हंसते भी रहे,
आंसू भरी है ये जीवन की राहें
कोई उनसे कह दे हमें भूल जाये,
आ जा रे अब मेरा दिल पुकारा
रो रो के ग़म भी हारा बदनाम न हो....
किसी की मुस्कराहटों पे हो निसार
किसी का दर्द हो सके तो ले उधार,
खुश रहो हर खुशी है तुम्हारे लिए
छोड़ दो आंसूओं को हमारे लिए,
चंदन सा बदन चंचल चितवन
धीरे से तेरा ये मुस्काना मुझे दोष न...
जिंदा हूं इस तरह कि गमें जिंदगी नहीं
जलता हुआ दीया हूं मगर रोशनी नहीं,
हम छोड़ चले हैं महफिल को
याद आए कभी तो मत रोना.
सुहाना सफर और ये मोसम हंसी
हमें डर है हम खो न जाएं कहीं,
वक्त करता जो वफ़ा आप हमारे होते
हम भीऔंरो की तरह आपको प्यारे होते,
ये मेरा दीवानापन है या मुहब्बत का सुरूर
तू न पहचाने तो ये तेरी नज़रों का कसूर.
मुझे तुमसे कुछ भी न चाहिए
मुझे मेरे हाल पे छोड़ दो.....
मैंने तेरे लिए ही सात रंग के सपने चुने
सपने सुरीले सपने.....

महबूब मेरे महबूब मेरे
तू है तो दुनियां कितनी हंसी है...
मैं तो एक ख्वाब हूं इस ख्वाब से
तू प्यार न कर,प्यार हो जाए तो....
बहारों ने मेरा चमन लूटकर
खिजां को ये इल्ज़ाम क्यों दे दिया..
दीवानों से ये मत पूछो
दीवानों पे क्या गुजरी है.....
दुनियां बनाने वाले क्या तेरे मन में समाई
काहे को दुनियां बनाई ,तूने काहे को....
दोस्त दोस्त न रहा प्यार प्यार ना रहा
जिंदगी हमें तेरा ऐतबार न रहा,
दर्पण को देखा,तूने जब जब किया श्रंगार
फूलों को देखा,तूने जब जब आई बहार,
दिल जलता है तो जलने दे
आंसू न बहा फरियाद न कर....
तेरी दुनिया में दिल लगता नहीं
वापस बुला ले,मैं सजदे मैं गिरा हूं.....
जाऊं कहां बता ऐ दिल,
दुनिया बड़ी है संग दिल.....
जिस दिल में बसा था प्यार मेरा
उस दिल को कभी का तोड दिया....
जुंबा पे दर्द भरी दास्तां चली आई
बहार आने से पहले खिजा चली आई...
जिस गली में तेरा घर न हो बालमा
उस गली से ,हमें तो गुजरना नहीं.....
जिन्हें हम भूलना चाहे वो
अक्सर याद आते हैं.....
चांदी की दीवार न तोड़ी
प्यार भरा दिल तोड दिया....
चल अकेला चल अकेला ,चल अकेला
तेरा मेला पीछे छूटा राही चल अकेला...
ओह रे ताल मिले नदी के जल में
नदी मिले सागर में,सागर मिले ....
कोई जब तुम्हारा हृदय तोड़ दें
तड़पता हुआ जब कोई छोड़ दें...
सजन रे झूठ मत बोलो ,
खुदा के पास जाना है.....
मुकेश के मखमली गीत सुनते सुनते
कब खामोशी की चादर ओढ़े
कब सुबह हो गई
मुझे पता ही नहीं चला.....
ऐसी सुरीली आवाज
तारों में सजके अपने सूरज से
देखो धरती चली मिलने.....
गायक मुकेश सदियों सदियों
सुरों की महफिलें सजाते रहेंगे
आज 27अगस्त के पावन स्मरण दिन पर
कहीं दूर जब दिन ढल जाए ....
पर मुकेश कभी नहीं ढ़लेगे
जाने कहां गये वो दिन कहते थे तेरी याद में
नजरों को हम बिछाएंगे ,
चाहे कहीं भी तुम रहो ,चाहेंगे तुम को उम्र भर
तुमको न भूल पाएंगे.

बैतूल के बालाजीपुरम में जन्माष्टमी पर जीवंत हो जाता है द्वापर युग

सोमवार मध्यरात्रि में धूमधाम से मनाई जन्माष्टमी

बैतूल। भारत के पांचवे धाम बालाजीपुरम मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी अनूठे तरीके से मनाई जाती है। इस मौके पर मंदिर में द्वापर युग का वही दृश्य दिखाई देता है, जब कंस के कारावास में भगवान श्री कृष्ण का जन्म हुआ था। यहां द्वापर युग का सेट बनाया जाता है। इस सेट पर भगवान के जन्म के बाद वासुदेव द्वारा उन्हें उफनती यमुना पार कर ब्रजधाम ले जाने का सजीव चित्रण किया जाता है। सोमवार 26 अगस्त को हर साल की तरह इस साल भी जन्माष्टमी का पर्व श्री रुक्मणी बालाजी मंदिर बालाजीपुरम में मनाया जाएगा।

बैतूल के इस बालाजीपुरम मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मनोरम दृश्य देखने को मिलता है। जहां कंस के कारावास में भगवान श्री कृष्ण के जन्म की घटना लाइट और साउंड के साथ दिखाई जाती है। इस भव्य आयोजन में कलाकारों को वासुदेव, देवकी और कंस बनाया जाता है। फिर शुरुआती दृश्य में दिखाया गया कि वासुदेव और देवकी कंस के कारागार में बंद हैं। इसके साथ ही क्रूर राजा कंस को भी दिखाया जाता है। फिर भगवान श्री कृष्ण का कारागार में जन्म होता है। बालक कृष्ण के जन्म के बाद पिता वासुदेव टोकरी में शिशु को रखकर उफनती यमुना नदी पार कर ब्रज धाम पहुंचते हैं। मंदिर के अंदर बने ब्रज धाम में जैसे ही भगवान श्री कृष्ण पहुंचते हैं, तो चारों तरफ आतिशबाजी और ढोल नगाड़ों की गूंज से वातावरण कृष्णमय हो जाता है।

बालाजीपुरम मंदिर को द्वापर युग की सूरत देने के लिए कई हफ्तों तक तैयारी की जाती है। इस दौरान सेट तैयार किया जाता है जिसमें लाइट और साउंड की व्यवस्था की जाती है। इसके साथ ही कृष्ण लीला के लिए कलाकारों को तैयार किया जाता है। इस इस साल भैंसदेही के बराहापुर के नवयुवक रामलीला मंडल के द्वारा प्रस्तुति दी जा रही है। कृष्ण जन्माष्टमी के इस आयोजन को देखने अलग-अलग राज्यों और विदेशों तक से श्रद्धालु बैतूल पहुंचते हैं। बालाजीपुरम मंदिर में आयोजन में हजारों भक्तों का मेला लग जाता है। इस मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव पूरी उमंग के साथ मनाने की अनूठी परंपरा है। बालाजीपुरम मंदिर में आयोजन में हजारों भक्तों का मेला लग जाता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर बैतूल में होने वाला उत्सव वृंदावन और मथुरा की तरह धूमधाम से मनाया गया। यहां द्वापर का दृश्य, ब्रज धाम का दृश्य और माखन मिश्री का प्रसाद पाकर सभी श्रद्धालु भगवान श्री कृष्ण की भक्ति में डूब जाते हैं। बालाजीपुरम संस्थापक सेम वर्मा ने सभी भक्तों से जन्माष्टमी के इस आयोजन में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

बालाजीपुरम में जन्माष्टमी कार्यक्रम-शाम 7 बजे से राजा अग्रसेन के राज्य में प्रजा के खुशहाली हेतु यज्ञ, हवन, पुजन, राजा कंस का प्रजाओं के ऊपर अत्याचार का मंचन, राजा कंस अपनी छोटी बहन के साथ प्यार से खेल खेलना, राजा कंस की बहन की शादी के लिए राज्यसभा में मंत्रीगणों के साथ विचार- विमर्श, यज्ञ वर ढूंढने के संदर्भ में, राजा कंस की बहन की शादी समारोह में नगर की सभी प्रजाओ को उपस्थित रहने के लिए राजदरबार से आदेश, बारात का आगमन (बग्गी, ढोल-ढमाके के साथ) ।

इसके बाद राजा कंस की बहन की शादी समारोह राजशाही तरीके से, राजा कंस की प्यारी बहना की विदाई के समय अत्याचारी कंस के लिए आकाशवाणी। राजा कंस आकाशवाणी सुनकर भयभीत हो कर बहन बहनोई को कारागार में डालने का सेनापति को आदेश। मंच पर पुन: वापसी एंव राजदरबार मे आकाशवाणी से बचने के लिए विचार-विमर्श मंथन आदि, राजा कंस के दरबार में नारद जी का आगमन एवं आठवें संतान की गिनती के ऊपर वार्तालाप, कंस कारागार से दरबारी द्वारा राजसभा मे प्रथम जन्म का संदेश पहुंचाया। कारागार में जन्मे संतानों को अत्याचारी राजा कंस द्वारा हत्या का प्रयास। आठवें संतान के जन्म का संदेश कारागार से दरबारी द्वारा राजा कंस के दरबार में पहुंचाना। राजा कंस संदेश पाकर तुरंत राक्षसी सेनाओं के साथ कंस कारागार की ओर प्रस्थान (रात्रि 11.10 से 11:28 बजे तक) (18 मिनट)। राक्षसी सेना को डराने का भयावह दृश्य।

(रात्रि 11.28 से 11:35 बजे तक)-चन्द्रोदय भगवान श्रीकृष्ण का जन्म (रात्रि 11.35 बजे) वासुदेव जी द्वारा श्रीकृष्ण को वृंदावन में नंदजी के घर छोडना। (रात्रि 11.35 से 12:05 बजे तक)- नंद जी के घर आनंद उत्सव, आरती, प्रसादी वितरण । (रात्रि 12:05 बजे से)

रानीपुर पुलिस द्वारा आयोजित की गई बच्चों की मटकी फोड़ प्रतियोगिता

बैतूल। थाना रानीपुर द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत सोमवार को रानीपुर म्युसियम के सामने जन्माष्टमी में उपलक्ष्य में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लिया। इस कार्यक्रम में स्थानीय

गड़मन्या नागरिक एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे एवं आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया इस प्रतियोगिता में लगभग 70-80 बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के विजेता कु स्नेहा पिता संतोष जावलकर रही जिसे थाना प्रभारी द्वारा पुरस्कृत किया गया। उपस्थित सभी बच्चों को उज्जवल भविष्य कि शुभकामनाएं देकर सभी बच्चों को स्वल्पाहार कराया गया। एवं कार्यक्रम का समापन किया गया।

अनापानसती ध्यान साधना शिविर संपन्न

बैतूल। अनापानसती ध्यान आंतरिक शांति और आत्म-खोज का मार्ग प्रदान करता है, जो अभ्यासियों को एक समय में एक सचेत सांस लेकर भीतर की ओर यात्रा करने का मार्गदर्शन करता है। समर्पित अभ्यास के माध्यम से, व्यक्ति गहन अंतर्दृष्टि को उपलब्ध हो सके, जिससे व्यक्तिगत परिवर्तन और आध्यात्मिक विकास हो सकता है। आमजनता के आध्यात्मिक विकास व देश के नागरिकों में अध्यात्मिक नवजागरण हो उनमें ध्यान की समझ बढ़े इन्ही सब उद्देश्यो को लेकर अध्यात्मिक गुरु श्रेयांस डागा व कौशिक डागा के अथक प्रयासों पिरामिड ध्यान केंद्र ,खेडी ताप्ती बैतूल में समय समय पर ध्यान शिविरों का आयोजन होते रहते है इसी श्रृंखला में 23 अगस्त से 25 अगस्त तीन दिवसीय अनापानसती ध्यान साधना शिविर संपन्न हुआ शिविर में भोपाल, नागपुर, बैतूल, आमला, से 30 ध्यान साधक शिविर में शामिल हुए। ध्यान शिविर आयोजन के सूत्रधार आशिष खातरकर ने बताया की तीन दिवसीय ध्यान साधना शिविर में सभी साधकों को सामूहिक रूप से देववाणी संकल्प ध्यान, सक्रिय ध्यान, लाफिंग व जिब्रिस ध्यान, अनापानसती ध्यान के प्रयोग कराए गये यह सभी ध्यान प्रयोग अलग अलग कालखंड में विषय विशेषज्ञों द्वारा सामूहिक रूप से ताप्ती ध्यान केंद्र स्थित पिरामिड में कराए गयें आयोजन के समापन कार्यक्रम में विशेष आकर्षण का केंद्र बनी आदिवासी लोक गायिका निर्मला कवडे जिन्होने एक सुन्दर आदिवासी गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के सभी पदाधिकारी व सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के अंतर्गत डिवाइन स्कूल में हुए रंगारंग कार्यक्रम

बैतूलबाजार। इस बार मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय-अशासकीय विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भारतीय विशिष्ट परम्पराओं एवं श्रीकृष्ण रासलीला पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए थे। इसी तारतम्य में बैतूलबाजार के प्रतिष्ठित सीबीएससी स्कूल डिवाईन स्कूल में जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और जोश-उत्साह के साथ मनाया गया। नगर के डिवाईन इंग्लिस स्कूल में श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर रंगा-रंग कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें स्कूल के छोट-छोटे बच्चें राधा कृष्ण के वेष में नजर आए। स्कूल में नंद उत्सव के आयोजन के अंतर्गत बच्चों ने राधा-कृष्ण की वेशभूषा धर श्रीकृष्ण रासलीला रची और मटकी फोड़ प्रतियोगिता में भी भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल की कक्षा 3 में की छात्रा प्रिंसी सोनी ने राधारानी का रूप धारण कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा, जिस पर उपस्थित सभी लोगो ने खुब सराहा। इस दौरान स्कूल के शिक्षकों द्वारा श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप का जीवन चरित्र भी बच्चों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रबंधन एवं स्टाफ द्वारा आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी अभिभावकों के सहयोग की प्रशंसा कर आभार व्यक्त किया गया।

ईमानदारी की मिसाल पेश करने वाली छात्राओं को एसपी ने दिया प्रशंसा पत्र

बैतूल। मुलताई रेल्वे स्टेशन की सीढ़ी पर कॉलेज से आ रही दो छात्राओं को एक लेडीज बैग पड़ा दिखाई दिया था जिसे लेने कोई नहीं पहुंचा तो दोनो छात्राओं ने उक्त बैग को थाने लाकर पुलिस को सौंप दिया। जिसमे कुछ नगद राशि सहित सोने के जेवर कीमत एक लाख रुपए के लगभग पाई गई,वही बैग में दो पेन ड्राइव भी प्राप्त हुई थी इन छात्राओं की ईमानदारी को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झारिया ने प्रशंशा पत्र देकर सम्मानित किया। दोनो छात्राओं ने बैग पुलिस को दिया पुलिस द्वारा बैग के वास्तविक मालिक को ढूंढ निकाला गया, जिसे थाना बुलाकर कॉलेज की छात्राओं के समक्ष सौंप दिया गया था। रविवार को पुलिस कंट्रोल रूम बैतूल में दोनों बालिकाओं अंजलि कवडे पिता लच्छू कवडे एवं ऋतु टेकाम पिता मुकुंद टेकाम को पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल एन झारिया द्वारा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया साथ ही उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

बैतूल की प्रसिद्ध गायिका श्रीमती रंजना सोनी का दुखद निधन

बैतूल। प्रसिद्ध गायिका श्रीमती रंजना सोनी का रविवार को देर रात स्वर्गवास हो गया है जिनकी शवयात्रा 26 अगस्त को सुबह 10.30 बजे कोठी बाजार निजनिवास तथा अंतिम संस्कार मोक्षधाम मे किया गया। श्रीमती रंजना सोनी बैतूल जिले की प्रसिद्ध गायिका थी वहां विभिन्न जागरण मंचों पर अपनी प्रस्तुती देकर अपनी सु मधुर आवाज से लोगों को मंत्र मुग्ध कर देती जो जिले ने एक प्रसिद्ध गायिका को खो दिया। उनके आकास्मिक निधन की सूचना मिलते ही संगीत प्रेमियों में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं उनके दुखद निधन का समाचार मिलने के बाद सभी लोगो ने अपनी संवेदनाएं दी है और श्री चरणों के अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी गई।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख ने बैतूल वन वृत्त का किया दौरा

बांस के पुष्प का निरीक्षण और वन शहीद स्मारक के जीर्णोद्धार का किया भूमिपूजन

वन विद्यालय में फ्लोरा ऑफ साउथ बैतूल डिविजन पुस्तक व डाक्यूमेंट्री का विमोचन

बैतूल। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव और सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक चितरंजन त्यागी ने बैतूल वन वृत्त का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वृत्त अंतर्गत किये जा रहे विभागीय कार्यो का निरीक्षण किया।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक असीम श्रीवास्तव ने बैतूल वन वृत्त के पश्चिम (सा.) वन मंडल के गवासेन परिक्षेत्र की टांडा बीट में मानसून पेट्रोलिंग की। इस दौरान बांस के सामूहिक पुष्पन क्षेत्र में नये बांस के स्थापित हो रहे भिरों का निरीक्षण किया और गवासेन परिक्षेत्र में बने लघु वनोपज समिति कार्यालय का उद्घाटन भी किया। बैतूल वन विद्यालय में पहुंचकर उन्होंने वन रक्षकों द्वारा आयोजित परेड की सलामी ली। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की परेड में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर उन्होंने परेड में शामिल कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। इसके बाद, वन शहीद की स्मृति में वन विद्यालय बैतूल में वन शहीद स्मारक के जीर्णोद्धार हेतु भूमिपूजन किया गया।वन विद्यालय में आयोजित प्रदर्शनी में तीनों वन मंडलों की वन समितियों द्वारा लगाये गये विभिन्न उत्पादों का निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात वन विद्यालय सभाकक्ष में समिति अध्यक्षों, समिति सदस्यों, वन अमले, और कौशल उन्नयन कार्यक्रम के प्रतिभागियों की बैठक ली गई। उन्हें उत्कृष्ट कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक असीम श्रीवास्तव ने समिति के बच्चों के कौशल उन्नयन रोजगार मूलक प्रशिक्षण की सराहना की। उन्होंने कहा कि जब बच्चे शिक्षित होते हैं, तो परिवार में समृद्धि आती है और जंगलों पर निर्भरता कम होती है। प्रदेश के अन्य वन विद्यालयों में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू करने का आश्वासन दिया गया।

दौरे के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले वन कर्मचारियों और समिति सदस्यों को प्रशस्ति पत्र और लाभांश के चेक वितरित किए गए। फ्लोरा ऑफ साउथ बैतूल डिविजन पुस्तक और निशान ग्राम (वन विकास से ग्राम विकास)ष् डाक्यूमेंट्री का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के अंत में, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और अन्य उपस्थित सदस्यों द्वारा ष्एक पेड़ मां के नामष् के तहत वन विद्यालय कैम्पस में पौधारोपण किया गया और अंकुर ऐप में पंजीयन किया गया। इस दौरे में मुख्य वन संरक्षक बैतूल वृत्त पी.एन. मिश्रा, वनमंडलाधिकारी उत्तर बैतूल देवांशु शेखर, वनमंडलाधिकारी दक्षिण बैतूल विजयान्नथम टी.आर., वनमंडलाधिकारी बैतूल (उत्पादन) सचिन हनुमप्पा नडा गड्डी, उपवन मंडलाधिकारी आमला वीरेन्द्र कुमार पटेल, उपवन मंडलाधिकारी बैतूल श्रेयश श्रीवास्तव और अन्य प्रशिक्षु भा.व.से. अधिकारी एवं बैतूल वन वृत्त के समस्त उप वनमंडलाधिकारी एवं परिक्षेत्र अधिकारी उपस्थित थे।

श्री गोपाल कृष्ण मंदिर छोटी ग्वाल टोली ने मध्यरात्रि में फोड़ी मटकी

बैतूल। श्री गोपाल कृष्ण मंदिर छोटी ग्वाल टोली शास्त्री वार्ड बैतूल में 26 अगस्त की मध्यरात्रि कृष्ण के जन्मोत्सव पर मटकी फोड़ी गई। बाल गोपाल अभिषेक एवं हवन पूजन दोपहर 12 बजे से, प्रभु के विशेष श्रृंगार दर्शन, रात्रि 8 बजे, संगीतमय भजन संध्या, रात्रि 9 बजे से 12 बजे तक, मध्य रात्रि श्री कृष्ण जन्म आरती एवं प्रसादी वितरण कर मटकी फोड़ का आयोजन किया गया। मंदिर और घर-घर में कृष्ण जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। जन्माष्टमी का पर्व केवल भगवान कृष्ण के जन्म का ही नहीं बल्कि यह अधर्म पर धर्म की विजयी का प्रतीक भी है। मान्यताओं के मुताबिक भगवान कृष्ण का जन्म आधी रात को 12 बजे हुआ था। इसके लिए जन्माष्टमी के दिन रात में कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाता है। कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर मंदिर में श्री गोपाल कृष्ण मंदिर छोटी ग्वाल टोली में रामायण पाठ के साथ कई अनुष्ठान प्रारंभ हो गए हैं। कृष्ण जन्मोत्सव मंदिर में श्रीकृष्ण के जयकारे लगने लगेंगे।

बैतूल-इंदौर नेशनल हाईवे पर संभल कर करें सफर

बैतूल। नेशनल हाईवे के फोरलेन का निर्माण हुआ, तब से ही इस सड़क की गुणवता पर आए दिन प्रश्न चिन्ह खड़े हो रहे हैं। अब जिला मुख्यालय बैतूल के समीप इसके प्रत्यक्ष दर्शन भी किए जा सकते हैं। ग्राम खेड़ी सांवलीगढ़ से बैतूल फोरलेन को जोड़ने वाले करंजी नदी ब्रिज के पास नवनिर्मित मार्ग की हालत जगह-जगह से खराब हो रही है।

फोरलेन पर हैं गड्ढों की भरमार

बैतूल से खेड़ी और हिवरखेड़ी और चिचोली तक फोरलेन में गड्ढों की भरमार है। सड़क की खस्ता हालत देखकर नहीं लगता कि वाहन फोरलेन से गुजर रहा है। अगर आपने फोरलेन समझकर वाहन तेज चलाने की कोशिश की तो आप दुर्घटना का शिकार भी हो सकते हैं।

सड़क में गड्ढे या गड्ढे वाली सड़क

गड्ढों का मुंह भले ही निर्माण कंपनी के द्वारा स्टोन डस्ट या लाल मिट्टी से बंद कर दिया जाता है, लेकिन वाहनों की धमाचौकड़ी के कारण सड़क बार बार उधड़ जाती है। लोग अब यह कहने को मजबूर हो गए हैं कि यह सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढे वाली सड़क है।

जानलेवा साबित हो सकती दरार

यहां एक जगह तो ऐसी दरार हो गई है कि तेज दोपहिया वाहन यदि इसमें फंस गया तो वह हादसा जानलेवा तक हो सकता है। यहां तेज रफ्तार में वैसे तो दिन में भी हादसे संभव है, लेकिन रात में बड़ा हादसा होने की ज्यादा आशंका है।

बाइक फंसी, चालक हुआ चोटिल

रविवार शाम को भी यहां कुछ ऐसा ही हुआ। एक ग्रामीण की बाइक दरार में बुरी तरह फंस गई और वह चोटिल हो गया। उसकी बाइक कुछ लोगों ने पकड़कर बाहर निकाली। ऐसे में लोगक कह रहे हैं कि बैतूल-इंदौर फोरलेन की पहली बरसात में ही बखिया उधड़ रही है तो आगे क्या होगा।

भारी-भरकम लागत से निर्माण

गौरतलब है कि बैतूल से इंदौर तक फोरलेन नेशनल हाईवे का निर्माण भारी भरकम लागत से किया जा रहा है। यह हाईवे 6 हिस्सों में 4583 करोड़ की लागत से हो रहा है। फिलहाल इसका काम हरदा और इंदौर जिले में चल रहा है।

किराड़ समाज ने धूमधाम से मनाया बलराम जन्मोत्सव

बैतूल । नगर के किराड़ समाज ने अपने मंगल भवन में बलराम जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया। मंगल भवन से शोभायात्रा निकाली गई जो कि शहर के मुख्य चौक चौराहा से होते हुए वापस मंगल भवन पहुंची ।

शोभायात्रा में मुख्य आकर्षण चलित झांकी की रही जिसमें समाज के छोटे छोटे बच्चे भगवान श्री कृष्ण और बलराम की वेशभूषा में थे। इसके उपरांत मंगल भवन में जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल और नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बारस्कर मौजूद थे।

किराड़ समाज द्वारा रविवार को मनाई बलराम जन्मोत्सव के बारे में समाज के हरीश गढ़ेकर ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह मंगल भवन से हुई, जहां से एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा नगर के मुख्य सड़कों और चौराहों से होते हुए वापस मंगल भवन पहुंची। इस दौरान नगर की सड़कों पर भक्तों का उत्साह देखने लायक था। समाज के सभी वर्गों के लोग, खासकर महिलाएं और बच्चे, बड़ी संख्या में शामिल हुए। छोटे-छोटे बच्चों ने भगवान बलराम और कृष्ण का स्वरूप धारण किया था जो कि मनमोहक था जिससे शोभायात्रा की रौनक बढ़ गई थी। शोभायात्रा के बाद राम सभागृह मंगल भवन में सामूहिक पूजा-पाठ का आयोजन किया गया।

सामूहिक चालीसा पाठ के बाद हुई आरती

समाज के मंगल भवन में समाज के सदस्यों ने मिलकर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया और फिर आरती की गई। इस आयोजन में सामाजिक बंधुओं ने बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

ऐसे आयोजनों से समाज में आती है एकजुटता

इस अवसर पर क्षत्रिय किराड़ समाज के समस्त समिति संगठन के अध्यक्षों, समिति के वरिष्ठ सदस्यों के अलावा गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम की प्रशंसा की । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल और नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर ने अपने विचार रखे। उन्होंने किराड़ समाज के बलराम जन्मोत्सव कार्यक्रम के आयोजन को सरहते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज में एकजुटता होती है।

भोजन प्रसादी के साथ हुआ समापन

क्षत्रीय किराड़ समाज के मंगल भवन में आयोजित बलराम जन्मोत्सव महोत्सव में सामाजिक बंधुओं ने तहेदिल से सम्मलित होकर समाज में भाईचारा और एक झुकता होने का परिचय दिया जिससे कार्यक्रम यादगार बन गया । इसके लिए समाज की ओर से हरीश गढ़ेकर ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया । वहीं इस कार्यक्रम में समय देने के लिए बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल और बैतूल नगर पालिका के अध्यक्ष श्रीमती पार्वती परस्कर के प्रति आभार प्रगट किया है । गौरतलब है कि कार्यक्रम का समापन भोजन प्रसादी के साथ हुआ।

तस्करी की दो कोशिशें नाकाम, 14 गोवंश बचाए

बैतूल। पुलिस की लगातार सख्ती के बावजूद गो तस्कर गोवंश की तस्करी के लगातार प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही दो प्रयासों को मोहदा पुलिस ने विफल किया है। पुलिस ने टाटा सूमो वाहन जब्त किया है। जिसमें ठूंस-ठूंस कर गोवंश भरे थे। एक अन्य मामले में पैदल गोवंश ले जाए जा रहे थे। दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में अवैध गोवंश परिवहन एवं पशु क्रूरता को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल झारिया के निर्देशों के पालन में थाना मोहदा की पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 25 अगस्त को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि खंडवा तरफ से एक टाटा सूमो वाहन में अवैध गोवंश भरकर आ रहा है। यह गोवंश कत्लखाने महाराष्ट्र लेकर जा रहे हैं। इसी प्रकार एक अन्य सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम टिटवी के पास जंगल में 2 व्यक्ति कुछ गोवंश को बांधकर क्रूरतापूर्वक मारते

पीटते हकेलते हुए कत्लखाने महाराष्ट्र ले जा रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी मोहदा द्वारा तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक निश्चल झरिया के निर्देशानुसार दो टीमें बनाकर तत्काल सूचना में बताए स्थान पर रवाना की गई। दोनों टीमों द्वारा कड़ी मशक्कत कर एवं सूझबूझ का उपयोग करते हुए ग्राम वासियों को साथ लेकर दोनों स्थान पर सफलतापूर्वक अवैध गोवंश को कत्लखाने जाने से बचा लिया गया। ग्राम बेहड़ा के पास टाटा सूमो वाहन को पकड़ा गया। पकड़े गए सूमो वाहन में 05 गोवंश ठूंस-ठूंस कर भरे थे। ग्राम टिटवी के जंगल में 09 गोवंश को पकड़ा गया। टाटा सूमो से जा रहे आरोपी जंगल में भागने में सफल हो गए। परंतु टिटवी के जंगल में 02 आरोपियों को पकड़ा गया।

ताप्ती मंदिर के पास नारियल दुकान लगाने को लेकर हुआ विवाद

सरोवर में दो बार कूदी महिला, गोताखोर ने बचाई जान

बैतूल/मुलताई। ताप्ती परिक्रमा क्षेत्र में लगने वाली नारियल पूजा सामग्री की दुकान बड़ी समस्या बनती जा रही है पिछले दिनों जहां नगर पालिका कर्मचारियों से विवाद सामने आए थे। अब मंदिर के समीप दुकान लगाने को लेकर इन व्यापारियों में आपसी विवाद

सामने आ रहे हैं जो खतरनाक भी हो सकते हैं ।बीती रात एक ऐसे ही आपसी विवाद के चलते एक व्यापारी महिला दो बार ताप्ती सरोवर में कूदी नगर पालिका के गोताखोर ने दो बार महिला को सरोवर से निकालकर उसकी जान बचाई। मामला थाने पहुंचा तो पुलिस के हस्तक्षेप और बीच बचाव के बाद मामला शांत हो सका। प्राप्त जानकारी के अनुसार परिक्रमा क्षेत्र मे स्थित ताप्ती मंदिर के पास बीती रात परिक्रमा क्षेत्र में नारियल की दुकान लगाने को लेकर व्यापारियों में विवाद हो गया जिसके चलते नथी बाई गरीबदास गुलबाके दो बार ताप्ती सरोवर में कूदी दोनों बार सरोवर पर तैनात नगर पालिका के गोताखोर निकेश कुरवाड़े और उनके साथियों ने उनकी जान बचाई। इसके बाद पूरा मामला पुलिस के पास पहुंचा और मौके पर पुलिस पहुंच गई। जहां से विवाद कर रहे सभी लोगों को पुलिस थाने ले जाया गया और विवाद न करने की समझाइश दी गई।

बताया जा रहा है कि पूरा विवाद मंदिर के पास नारियल की दुकान लगाने को लेकर हो रहा था। पिछले दिनों नगर पालिका ने सभी दुकानों को हटा दिया था इसके बाद फिर बेतरतीब ढंग से दुकानें लगने लगी है। स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि इन्हें व्यवस्थित बिठाया जाए, इनके लिए स्थान का साइज निर्धारित किया जाए, एक परिवार को एक ही दुकान लगाने की अनुमति हो यह निर्धारित करें, नगर प्रशासन देख की इन दुकानों का फैलाव ना हो ताकि ताप्ती सरोवर का सौंदर्य भी प्रभावित न हो और इनका व्यवसाय भी चलते रहें इसके लिए ठोस योजना बनाई जाने की आवश्यकता है।

नागरिक संघर्ष समिति, अधिवक्ता संघ ने ओवर ब्रिज को लेकर राज्य सभा सांसद माया नारोलिया को ज्ञापन सौंपा

सुबह सवेरे सोहागपुर । नागरिक संघर्ष समिति एवं अधिवक्ता संघ ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम संबोधित ज्ञापन राज्यसभा सांसद माया नारोलिया एवं क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह को ट्रेनों के स्टॉपेज एवं ओवर ब्रिज को लेकर ज्ञापन सौंपा।

ल्लेखनीय है कि राज्य सभा सांसद माया नारोलिया एवं क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह रविवार को भाजपा के सदस्यता अभियान के दौरान उनका नगरागमन सोहागपुर हुआ था। इस संबंध में नागरिक संघर्ष समिति के संयोजक एवं अधिवक्ता संघ सचिव शिवकुमार पटेल ने इस प्रतिनिधि को बताया कि हमने प्रमुख रूप से लाडसपुरा स्थित रेलवे संमपार गेट पर ओवरब्रिज एवं अंडर ब्रिज की मांग की गई है। ज्ञातव्य है कि यहां से ओवर ब्रिज के न होने से ग्रामीण क्षेत्र के लगभग 50 गांव एवं नगर के दो प्रमुख वार्डों के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है । जिसमें सैकड़ों नागरिक, महिलाएं एवं छात्र घंटो खड़े होकर रेलवे गेट के खुलने की प्रतीक्षा करनी पड़ती है ।इसलिए ओवरब्रिज या अंडर ब्रिज का निर्माण अतीशीघ्र रेलवे प्रशासन करे। इसके साथ ही सोहागपुर प्लेटफार्म क्रमांक 2 अंग्रेजी शासन से अब तक उसी अवस्था में है।

प्लेटफार्म क्रमांक 2 काफी नीचा है। इस कारण वृद्ध,महिलाओं एवं बच्चों को ट्रेन में चढ़ने उतरने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार प्लेटफार्म की निचाई के कारण दुर्घटनाएं भी हो चुकी है।इस कारण प्लेटफार्म की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की गई है। वहीं दोनों प्लेटफार्म पर कोच की सही जानकारी के लिए डिस्प्ले बोर्ड का होना भी आवश्यक है। नागरिक संघर्ष समिति एवं अधिवक्ता संघ ने सोहागपुर में महानगरी एक्सप्रेस 22177 एवं 78 संघमित्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस 12295 एवं 96, जनशताब्दी,इंटरसिटी एक्सप्रेस के स्तापेज की मांग की गई है।सोहागपुर स्टेशन पर प्रातः 10 एवं शाम के 5बजे के मध्य कोई भी ट्रेन यात्रियों की सुविधा हेतु उपलब्ध नहीं है । इस कारण ट्रेनों का स्टॉपेज दिलाया जाए । वहीं पूर्व की भांति कुछ ट्रेनों के समय में परिवर्तन हो । जिससे रेल यात्रियों को सुविधा मिल सके। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष शेरखान, वरिष्ठ वकील जे पी माहेश्वरी, सचिव संजय तिवारी ,सहसचिव शिवकुमार पटेल, एजीपी वकील शंकरलाल मालवीय, श्यामसिंह रघुवंशी, पूर्व पार्षद एवं वकील संजय तिवारी,शरद चौरसिया आदि उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु मंदिर ने हमें संस्कारों से जीना सिखाया

पूर्व छात्र पीयूष प्रजापति, कालिया मर्दन झांकी की सराहना

सोहागपुर। भारतीय संस्कृति से ओत-प्रोत सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीकृष्ण के विभिन्न स्वरूपों की झांकी, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मटकी फोड़ प्रतियोगिता की धूम रही। श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटैल, सरस्वती शिशु मंदिर की नेताजी सुभाष चन्द्र बोस शिक्षा समिति अध्यक्ष कन्नूलाल अग्रवाल, सचिव राजा भैया पटैल, उपाध्यक्ष अभिषेक जैन, व्यवस्थापक कृष्णा पालीवाल, प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान गांधीनगर गुजरात, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटैल, प्राचार्य अशोक कुमार दुबे आदि के आतिथ्य में संपन्न हुआ। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के अवसर पर नन्हे मुन्ने बच्चों के कृष्ण स्वरूप की छटा देखते ही बनती थी। ब्रज में खेल यमुना पार,माखन चोरी, नटखट कृष्ण , तरणताल में कालिया मर्दन जीवंत झांकी की प्रस्तुति आकर्षण का केन्द्र रही । इधर विधालय परिसर में उत्कृष्ट मटकी फोड़ में भैया बहनों ने उत्साह के साथ सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर पूर्व छात्र पीयूष प्रजापति ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते कहा कि हमें सरस्वती शिशु मंदिर के संस्कारों ने समाज में प्रतिष्ठा दिलाई है । हमें अच्छे संस्कार दिए हैं। इसी कारण हम प्रतिष्ठित पद पर पहुंचकर देश के लिए कार्य कर रहे हैं । आने अंत में कहा कि हमें भगवान कृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेना चाहिए। इसी क्रम में समिति अध्यक्ष कन्नूलाल अग्रवाल, प्राचार्य अशोक कुमार दुबे आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अंजली मंडलोई ने किया । कार्यक्रम के अंत में भगवान कृष्ण की आरती के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। अतिथियों ने छात्र छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए।इस अवसर पर अभिभावक , आचार्य दीदियां ,भैया, बहनें उपस्थिति थीं। समिति पदाधिकारियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कार्यक्रम संयोजन करने वाले आचार्यों एवं दीदियों की सराहना की।

भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शो से हमें सीखना चाहिए: राज्यमंत्री श्रीमती गौर

भोपाल (नप्र)। भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शो से हमे सीखना चाहिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने सोमवार को जन्माष्टमी पर्व पर भेल स्थित शासकीय महात्मा गांधी सीएम राइज स्कूल में उक्त आशय के विचार व्यक्त किए। मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि जन्माष्टमी का पर्व मनाने बच्चे स्कूल में उपस्थित हुए हैं। बच्चे भगवान का साक्षात रूप होते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हम सभी के लिए अनुकरणीय है। यह पावन पर्व सभी के जीवन में मंगल करे, यही प्रार्थना है।

चिल्हाटी ग्राम में हुआ बछड़े का शिकार

अलर्ट पर वन विभाग, तेंदुए के मूवमेंट की संभावना

बैतूल/ मुलताई। क्षेत्र के ग्राम चिल्हाटी में बीती रात गाय के बछड़े के शिकार होने के समाचार मिले हैं जिसको लेकर वन विभाग अलर्ट पर है। ग्रामीणों का अनुमान है की बछड़े का शिकार तेंदुए ने किया है किंतु वन परिक्षेत्र अधिकारी राजेश पवार ने बताया कि दो दिनो की छुट्टी के कारण बछड़े के शव परीक्षण की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। जब तलक यह रिपोर्ट प्राप्त नहीं होती बछड़े का शिकार किसी जंगली जानवर ने किया है कुछ भी कहना संभव नहीं है। वन परिषद अधिकारी ने उक्त मामले में जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी वन्य प्राणी के मूवमेंट को लेकर वन विभाग सतर्क है। घाटबिरोली क्षेत्र में वन विभाग की टीम को लगा दिया गया है जो हर गतिविधि पर नज़र बनाए हुए हैं। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया है कि वह घबराएं या डरे नहीं और किसी भी वन्य प्राणी के उपस्थिति के संकेत मिलने पर वन विभाग के अधिकारियों को सूचित करें।

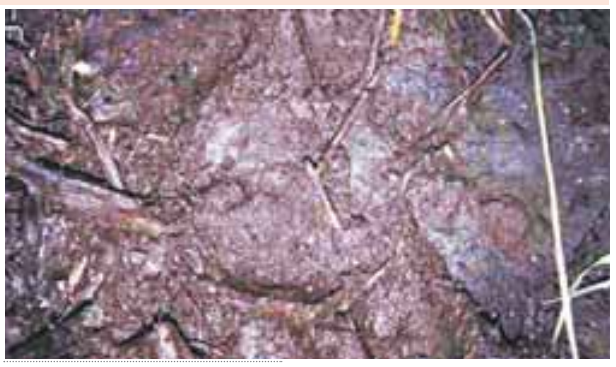

ग्रामीणों का अनुमान, मिले हैं तेंदुआ के पंजे के निशान

इधर चिल्हाटी के ग्रामीणों का कहना है कि वन प्राणी की संभावना के चलते ग्रामीणों में भय का माहौल है मौके पर पग मार्क भी मिले हैं जो की तेंदुए की चहल कदमी की संभावना व्यक्त करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि संदीप साहू के गाय के बछड़े का शिकार किया गया है। संदीप साहू के खेत में बने मकान में मवेशी बंधे हुई थे। रात में गायों के रंभाने की आवाज आने पर जब आसपास के लोगों ने उठकर देखा तो गाय का बछड़ा मकान के बाहर मरा हुआ था एवं उसका शिकार किया गया था।

आसपास देखने पर तेंदुआ के पंजे के निशान मिले हैं, तुरंत इसकी सूचना देकर ग्रामीणों को अलर्ट किया गया कि क्षेत्र में कोई जंगली जानवर घूम रहा है ।

बारिश से बचने पेड़ के नीचे खड़े हुए, आकाशीय बिजली गिरने से चार लोग झुलसे

भिंड (नप्र)। ऊमरी के सिंध नदी किनारे रविवार को मवेशी चरा रहे चार लोग बारिश से बचने के लिए बबूल के पेड़ के नीचे खड़े हो गए। दोपहर ढाई बजे आकाशीय बिजली पेड़ पर गिरी, जिससे चारों को झुलस गए। इलाज के लिए झुलसे लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। भिंड तहसीलदार एमएल शर्मा घायलों को देखने के लिए जिला अस्पताल पहुंचे और मदद का आश्वासन दिया।ग्राम ढोंचरा निवासी कुछ लोग मवेशी चराने के लिए सिंध नदी किनारे गए थे। दोपहर ढाई बजे अचानक बारिश होने लगी। इसलिए चरवाहे बारिश से बचने के लिए बबूल के पेड़ के नीचे आकर बैठ गए। इसी दौरान आसमान में तेज बिजली चमकी और आकाशीय बिजली पेड़ पर आकर गिर गई जिससे पेड़ के नीचे बैठे 40 वर्षीय श्यामसिंह पुत्र विश्वनाथ सिंह राजावत, 55 वर्षीय हरविलास पुत्र लज्जाराम ओझा, 40 वर्षीय अशोक पुत्र किशनमुरारी गुप्ता और 32 वर्षीय सोनू पुत्र हुकुम सिंह राजावत निवासी ढोंचरा झुलस गए। ग्रामीण झुलसे हुए लोगों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर आए। घटना की जानकारी मिलते ही तहसीलदार अस्पताल में पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना।

हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैयालाल की..

जन्माष्टमी पर बच्चों को शिक्षण सामग्री और खेल सामग्री की वितरित ग्राम बिच्छूखान में धूमधाम से मनाई गई जन्माष्टमी

आमला। राज्य सरकार ने इस वर्ष सभी शिक्षण संस्थाओं में भी जन्माष्टमी पर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश जारी किए है। भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव आज नगर सहित ग्रामीण अंचलों में धूमधाम से मनाया गया। आदिवासी अंचल के ग्राम बिच्छूखान स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में तो जन्माष्टमी की काफी धूम थी यहां पर बड़ी संख्या में समाज सेवियों ने पंहुचकर आयोजन में चार चांद लगा दिए। भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव यादगार तरीके से मनाया गया। स्कूली बच्चों को शिक्षण सामग्री भी दी गई, खेल सामग्री बांटी गई, बच्चों की जिद पर स्कूल में केक कांटा गया, मिठाईयां वितरित की गई और तो और जरूरत पड़ने पर बच्चों को दिक्कत न हो इसके लिए प्राथमिक उपचार से जुड़ी हुई दंवाईया भी दी गई, स्कूल परिसर में पौधे लगाए गए। शासकीय प्राथमिक शाला बिच्छूखान में सर्वप्रथम भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना की गई।

ग्राम पंचायत सलैया में मध्यान्ह भोजन के नाम पर बच्चों को खिलाई जा रही कच्ची रोटी

शनिवार को शासकीय माध्यमिक शाला सलैया में कच्ची रोटी खिलाई गई बच्चों को

बैतूल। सारनी क्षेत्र में मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत प्राथमिक और लघु माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को दोपहर में भोजन निशुल्क प्रदान किए जाने के उद्देश्य से लेकर स्कूलों में मध्यान्ह भोजन शुरू किया गया। लेकिन ग्राम पंचायत सलैया में संचालित होने वाले माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को स्व.सहायता समूह के माध्यम से विद्यार्थियों को कच्ची रोटी पराठा बात कर खिलाने का कार्य किया गया है। ग्राम पंचायत सलैया में निवास करने वाले मोहन नरवरे ने इसका खुलकर विरोध किया तो स्व. सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कहां गया कि तुम्हें जहां शिकायत करना है तुम वहां जाकर शिकायत करो हमें

कोई फर्क नहीं पड़ता।

जिस पर मोहन नरवरे के माध्यम से ब्लॉक शिक्षा अधिकारी हुकुम सिंह रघुवंशी एवं जिला कलक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के व्हाट्सएप पर बच्चों को खिलाई जाने वाली कच्ची रोटी भेज कर माध्यमिक विद्यालय सलैया के स्व.सहायता समूह एवं शिक्षकों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है ग्राम पंचायत सलैया निवासी मोहन नरवरे ने आरोप लगाते हुए बताया कि मध्यान्ह भोजन के प्रतिदिन अलग-अलग भोजन विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने के दिशा निर्देश दिए गए हैं। लेकिन स्व. सहायता समूह की महिलाएं इसका पालन नहीं करती बच्चों को पानी युक्त दाल,कच्ची रोटी कच्चा चावल खिलाने का कार्य करती है। जबकि स्वयं बेहतर भोजन बनाकर खाने का कार्य करती है। दुखत पहलू तो यह है कि महिला बाल विकास एवं माध्यमिक विद्यालय सलैया के प्रधान पाठक भी इसका विरोध नहीं करते आखिर क्या वजह है कि एक ही स्थान पर लंबे समय से पदस्थ शिक्षक ना हटाते हैं और ना ही शासन के नियमों के अनुसार कार्य कर रहे हैं ऐसी स्थिति को देखते हुए मंगलवार को जनसुनवाई में ग्राम पंचायत सलैया के कई लोग खड़े होकर गुणवत्ताहीन मध्यान भोजन खिलाने वाले स्व. सहायता समूह और शिक्षकों की शिकायत करने का कार्य करेंगे। जिससे शासन के माध्यम से जारी किया गया मध्यान भोजन योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर भोजन उपलब्ध हो सके।

एक्ट ईव फाउंडेशन ने शासकीय कन्या शाला में लगाया आरओ सिस्टम

देवास। सामाजिक संस्था एक्ट ईव फाउंडेशन ने अपने सेवा प्रकल्पों की कड़ी में समाजसेवियों की सहायता से शासकीय उ मा कन्या शाला भौरासा में बालिकाओं को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए आरओ सिस्टम भेंट किया जिसका लोकार्पण आज अतिथियों के हाथों किया गया।संस्था अध्यक्ष मोहन वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में अतिथि रूप में डीपीसी प्रदीप जैन,देवास बीआरसी किशोर वर्मा,सोनकच्छ बीईओ सज्जनसिंह मालवीय तथा श्री दिलीप हिंदुजा उपस्थित थे जिनका स्वागत शाला स्टाफ ने किया।

कार्यक्रम में बोलते हुए डीपीसी प्रदीप जैन ने कहा कि स्कूली बच्चों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए आरओ सिस्टम उपलब्ध करवाने की संस्था एक्ट ईव फाउंडेशन की पहल सराहनीय है। संस्था बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने और उन्हेंसमाजसेवियों की सहायता से मूलभूत सुविधाएं जैसे फर्नीचर,पंखें,स्कूलों बैग उपलब्ध करवाने का नेक काम करके न सिर्फ अपने सामाजिक दायित्वों कानिर्वाहन कर रही है बल्कि कहीं न कहीं शासन का सहयोग भी कर रही है जो अनुकरणीय है।

इस अवसर पर संस्था सचिव किशोर असनानी ने संस्था के अब तक किए कामों की जानकारी उपस्थितो को दी। संस्था द्वारा इस प्रोजेक्ट में सहयोगके लिए समाजसेवियों गिरीश वेरूलकर इंदौर,दिलीप हिंदुजा,नीता शर्मा तथा शाला प्रबंधन को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में संस्था के संतोष विजयवर्गीय,योगेन्द्र सिंह चावडा,अमल बेरा,आलेख वर्मा, भानुप्रताप सिंह राणा,हरीश सोलंकी,निखिल भारती, श्रीमती स्मिता,मनीषा असनानी, काकोली बेरा,श्रीमति भारती, किरण चावडा,अरुण तोमर,ईसाक भाई श्रीमती मोहिनी, सारिका, श्रीमती राजपूत,श्री चौरसिया, खुर्शीद खान, श्रीमती दुबे,पारस,श्री सोलंकी,जाकिर शेख तथा आरती शुक्ला उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन भोला सिंह यादव ने किया तथा आभार खुर्शीद आलम खान ने माना।

जन्माष्टमी पर चांदी के झूले में झूले कान्हा

● कान्हा के लिए घर और मंदिरों में थी विशेष तैयारी ● 21 चौराहों पर फूटी माखन मटकी, तिलकोत्सव हुआ

भोपाल (नप्र)। जन्माष्टमी पर सोमवार को समूचा शहर कर्मयोगी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर दिखाई देने लगा था। सुबह से ही घरों व मंदिरों में श्रीकृष्ण की झांकियां सजाने के साथ उनका अभिषेक, पूजन आदि का सिलसिला प्रारंभ हो गया था। मंदिरों में विशेष पूजन हो रही थी। रात 12 बजे घरों व मंदिरों में भगवान की जन्मोत्सव आरती के स्वर गुंजायमान हुए।

यहां हुए यह कार्यक्रम

इस्कॉन मंदिर पटेल नगर, बरखेड़ा इस्कॉन मंदिर एवं इस्कॉन मंदिर बैरागढ़ में इस बार जन्माष्टमी पर विशेष आयोजन तड़के 4 बजे से शुरू हो गए थे।। 40 हजार से अधिक भक्तों को प्रसादी बांटे जाने की संभावना थी। पटेल नगर में एक साथ 5000 भक्त कीर्तन कर सकेंगे। जन्माष्टमी का 3 दिवसीय उत्सव रहेगा। सुबह 4.30 में मंगल आरती हुई, दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक 3 विशेष नाट्य प्रस्तुति हुई। भगवान को 108 भोग अर्पित होंगे और रात्रि 12 बजे श्री भगवान की महा आरती हुई। यादव सभा के बरखेड़ा भेल स्थित मंदिर में भगवान फूलों की ड्रेस पहने थी।

बिड़ला मंदिर में रात 12 बजे जन्मोत्सव का बड़ा कार्यक्रम – टीला जमालपुरा स्थित गोपाल मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर लड्डू गोपाल का अभिषेक हुआ। भगवान के शृंगार दर्शन रात 9.30 पर भजन हुए और रात 12 बजे जन्मोत्सव आरती हुई। शिवाजी नगर स्थित दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में शाम 4:30 बजे से 'गीता के कृष्ण' विषय पर व्याख्यान हुआ। नेहरू नगर में करुणा धाम मंदिर में रात 8 बजे फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन हुआ। इसके अलावा यहां पर डांस और भजन संध्या भी थी। रात 12 बजे के बाद महाआरती हुई बांके बिहारी मंदिर मारवाड़ी रोड पर दिन में एवं रात एक बजे तक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे थे। बांके बिहारी मंदिर चौबदारपुरा मंदिर में भगवान बांके बिहारी का पंचामृत से स्नान व तुलसी दल से सहस्त्रार्चन किया। अगले दिन ठाकुर जी का नामकरण कर उनकी जन्म कुंडली लिखी जाएगी। श्रीजी नाथ जी मंदिर लखेरापुरा में दोपहर 12.30 बजे भगवान का तिलकोत्सव व आरती के बाद पालकी यात्रा निकाली। मां वैष्णो धाम आदर्श दुर्गा मंदिर में भोपाल के सबसे बड़े लड्डू गोपाल का 11 तरह के फलों व 11 किलो पंचामृत अभिषेक किया ।

वृंदावन से मंगाए गए रत्न जड़ित वस्त्र

प्लेटिनम प्लॉजा स्थित मां वैष्णो धाम आदर्श दुर्गा मंदिर में भोपाल के सबसे बड़े लड्डू गोपाल का 11 तरह के फलों व 11 किलो पंचामृत अभिषेक किया किया गया। पंडित चंद्रशेखर तिवारी ने बताया की मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। लड्डू गोपाल के लिए वृंदावन से मंगाए गए रत्न जड़ित वस्त्र अर्पित किए जाएंगे। रात्रि 12:00 बजे भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। ढोल नगाड़े शंख घड़ियाल बजाकर बधाई गीत गाए जाएंगे। इसके बाद प्रसाद का वितरण हुआ। बरखेड़ा स्थित अहीर यादव समाज के राधा-कृष्ण मंदिर में भगवान का अभिषेक व पूजन हुई। इसके बाद शोभा यात्रा शुरू हुई। यात्रा में शामिल होने एक बालिका अपने से भगवान कृष्ण के बालरूप की प्रतिमा लेकर शामिल हुई।

तुलसी से सहस्त्रार्चन होगा, 56 लगे भोग – अशोका गार्डन सुभाष कॉलोनी स्थित मां भवानी, शिव हनुमान मंदिर में श्रीकृष्ण को चांदी के झूले में झुलाया,म्युजिकल ग्रुप कान्हा के भजन प्रस्तुत कर भगवान को 56 भोग लगाए गए। ब्रह्माकुमारी के सभी केंद्रों में जन्माष्टमी उत्सव मनाया ।

जन्माष्टमी पर प्रदेश के श्रीकृष्ण मंदिरों में विशेष पूजा-आराधना हुई

700 किलो फूलों से सजा महाकाल का दरबार

● धार में 9 लाख के नोटों से खाटू-श्याम का श्रृंगार; जबलपुर के पचमठा मंदिर में मंगला आरती

उज्जैन/भोपाल/इंदौर/ग्वालियर (नप्र)। जन्माष्टमी पर मध्यप्रदेश के श्रीकृष्ण मंदिरों में विशेष पूजा-आराधना हो रही है। धार जिले के मां रेवा कुबेर शनि धाम में खाटू श्याम का 9 लाख रुपए के नोटों से श्रृंगार किया गया। बाबा महाकाल के दरबार को 700 किलो फूलों से सजाया गया है। यहां श्रद्धालुओं को भगवान विष्णु और शिव के दर्शन एक साथ होंगे। सोमवार को भगवान महाकाल की सवारी भी निकली। शाम 6 बजे बाबा की सवारी गोपाल मंदिर पहुंचेगी, जहां हरिहर मिलन होगा। रात 10 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गोपाल मंदिर में भगवान के दर्शन करेंगे। 12 बजे तक भगवान के दर्शन-पूजन, अभिषेक और आरती की जाएगी। रात 2 बजे तक मंदिर के पट खुले रहेंगे। जबलपुर के पचमठा मंदिर में सुबह मंगला आरती से कृष्ण जन्मोत्सव की शुरुआत हुई। रात 12 बजे शहनाई वादन के साथ श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। ग्वालियर में जन्माष्टमी पर राधा-कृष्ण को 100 करोड़ से ज्यादा की एंटीक ज्वेलरी पहनाई गई। इन आभूषणों में बेशकीमती रत्न हीरा, पन्ना, माणिक, मोती, पुखराज और नीलम जड़े हैं। जन्माष्टमी पर भगवान महाकाल का श्री कृष्ण स्वरूप में श्रृंगार किया गया।

राजस्थान के सीएम ने किए महाकाल के दर्शन- राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। उन्होंने भगवान महाकाल के दर्शन किए।

मोदी 6 साल बाद फिर बनेंगे बीजेपी के सदस्य

मंत्री-विधायकों को बनाने होंगे 15-15 हजार नए मेंबर; 25 दिन में डेढ़ करोड़ का टारगेट

भोपाल (नप्र)। सितंबर बीजेपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए बेहद अहम महीना होने वाला है। एक सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भाजपा की सदस्यता दिलाएंगे। इसके बाद मप्र में भी भाजपा का सदस्यता अभियान औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगा।

इस अभियान में बीजेपी के सभी मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, मेयर, जिला पंचायत अध्यक्षों से लेकर हर पदाधिकारी को नए सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया है। पहले चरण में एक सितंबर से 25 सितंबर तक प्रदेश में करीब डेढ़ करोड़ लोगों को सदस्यता दिलाने का टारगेट तय किया गया है।

मंत्री-विधायकों को 15 हजार सदस्य बनाने होंगे-भाजपा के सदस्यता अभियान में मध्यप्रदेश के सभी 29 सांसदों को 25 हजार सदस्य बनाने होंगे। मंत्रियों, विधायकों को 15 हजार नए लोगों को बीजेपी की मेंबरशिप दिलानी होगी। महापौर को 15 हजार और नगर पालिका अध्यक्षों को 5 हजार नए सदस्य बनाने होंगे।

जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य और पार्षदों के लिए सदस्यता का लक्ष्य स्थानीय मतदाताओं के हिसाब से भाजपा के जिला अध्यक्ष

तय करेंगे। हर बूथ पर कम से कम 200 नए सदस्य बनाने को कहा गया है। हारे हुए बूथों पर ज्यादा टारगेट किया जा रहा है।

रेफरल कोड से होगी काम की डेली निगरानी- सदस्यता अभियान के दौरान हर पदाधिकारी के काम की निगरानी होगी। सांसद, विधायक सहित हर पदाधिकारी को सदस्यता के लिए एक रेफरल कोड दिया जाएगा। जिस नए व्यक्ति को सदस्य बनाया जाएगा, उसकी मेंबरशिप के वक्त दर्ज किए जाने वाले रेफरल कोड से काम की मॉनिटरिंग होगी। अगर सदस्य बनाने वाला पदाधिकारी नए मेंबर को लिंक शेयर करेगा, तो रेफरल कोड खुद ही मेंबरशिप फॉर्म में दर्ज हो जाएगा। इसके अलावा संगठन ऐप के जरिए भी नेताओं को अपनी डेली रिपोर्ट देनी होगी कि किसने कितने सदस्य बनाए।

हर 6 साल में सदस्य बनना जरूरी- प्रधानमंत्री से लेकर पार्षद तक बीजेपी के हर पदाधिकारी और नेता को हर छह साल में सदस्य बनना जरूरी होता है। इसे साधारण सदस्यता कहा जाता है। इसके बाद सक्रिय सदस्यता दिलाई जाएगी।

मुख्यमंत्री-प्रदेश अध्यक्ष भी बनाएंगे सदस्य

21 अगस्त को भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में सदस्यता अभियान की कार्यशाला में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा था, कि अब सबके पास एक ही काम है, सदस्यता कराना। मैं भी सदस्य बनाऊंगा। जहां भी दौरे पर जाऊंगा, वहां सदस्यता का कार्यक्रम होगा। हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ना है।

काम के आधार पर सरकार में मिलेगी जगह

सीएम ने यह भी कहा कि अभी सरकार की बहुत सारी समितियां बननी हैं। जन भागीदारी समिति, रोगी कल्याण समिति, एल्डरमैन जैसी कई समितियों के जरिए सरकार के काम होने वाले हैं। आप लोगों को अब अपना काम दिखाने की जरूरत है। सीएम के इस बयान से यह समझा जा रहा है, कि सदस्यता अभियान में अच्छा काम करने वाले नेताओं को आने वाले समय में सरकार में भी अहम जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

बच्ची को अगवा कर महिला पर डाला रिलेशन का दबाव

10 महीने की मासूम रोई, पकड़े जाने के डर से हत्या की, शव कुएं में फेंका

रतलाम (नप्र)। रतलाम में महिला पर रिलेशन बनाने का दबाव डालने के लिए आरोपी ने उसकी 10 महीने की बेटी को किडनैप किया। अगवा कर ले जाते समय बच्ची के रोने पर पकड़े जाने के डर से मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी। शव कुएं में फेंक दिया। घटना 17 अगस्त की है। पुलिस ने रविवार को आरोपी को गिरफ्तार कर सोमवार को पूछताछ के बाद यह खुलासा किया। मामला कालूखेड़ा के लसुड़िया नाथी गांव का है। आरोपी पड़ोस में रहने वाला दशरथ कटारिया है।

मां के बगल से बच्ची को उठा ले गया था

उपरवाड़ा की रहने वाली प्रेमा का लसुड़िया नाथी में मायका है। वह 1 साल से यहीं रह रही हैं। डिलिवरी के पहले से वह मायके आ गई थीं। 17 अगस्त की रात प्रेमा घर में बच्ची तनु के साथ सो रही थीं। रात 11 से 12 बजे के बीच उनकी नींद खुली तो बच्ची पास में नहीं थी। कमरे का अंदर से दरवाजा बंद था, लेकिन खिड़की खुली हुई थी। रात में ही पति को जानकारी दी, इसके बाद पुलिस को जानकारी दी।

ससुराल में छिपकर बैठा था आरोपी

एसपी राहुल कुमार लोढ़ा के मुताबिक, डॉग स्निफर ने घटनास्थल की जांच की। बच्ची के मकान से डॉग 3 किलोमीटर दूर चिकलाना में एक मकान तक पहुंचा। यहां शराब मिलती है। पूछताछ में दशरथ कटारिया का नाम भी सामने आया। इस आधार पर दो बार उससे पूछताछ की, लेकिन कोई क्लू नहीं मिला। यहां तक कि आरोपी बच्ची की तलाश में गांव के लोगों के साथ भी में रहा। एसपी ने बताया, बाद में जब क्लू मिला, तब तक आरोपी फरार हो गया। आरोपी राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के हथुनिया थाना के बरोठा स्थित अपने ससुराल में खेत की झोपड़ी में छिपा था। रविवार सुबह राजस्थान पुलिस के कॉन्स्टेबल सुरेश मीणा ने उसे पकड़ा, इसके बाद रतलाम पुलिस को सूचना दी।

शादीशुदा, दो बच्चों का पिता

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बच्ची की मां पर बुरी नजर रखता था। आरोपी की पत्नी और दो बच्चे भी हैं। पत्नी मायके गई थी। इसी के अगले दिन उसने यह वारदात की।

बच्ची के लापता होने के बाद से रतलाम पुलिस ने आसपास के जिलों और राजस्थान पुलिस तक इस बारे में सूचना दे रखी थी। रतलाम से पुलिस टीम मंदसौर, नीमच भी पहुंची। आरोपी के ससुराल राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के हथुनिया में भी गई, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। रविवार को ग्रामीणों की मदद से राजस्थान पुलिस के कॉन्स्टेबल ने आरोपी को पकड़ा। रतलाम पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर कुएं से बच्ची के शव को निकाला।

ट्रेन में फर्जी लेडी टीटीई पकड़ी, हंगामा

जनरल कोच में टीटीई बिना टिकट यात्रियों को हड़का रही थी, बोली- एमपी की टीटीई हूं

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर से झांसी के बीच पातालकोट एक्सप्रेस में एक फर्जी लेडी टीटीई की चेकिंग से हंगामा खड़ा हो गया। 21 से 22 साल की युवती टीटीई के वेशभूषा में

जनरल कोच में घुस गई। यहां वह बिना टिकट यात्रियों को चेक कर जुर्माना वसूल रही थी। टीटीई के वेशभूषा के ऊपर पिंक कलर का जैकेट पहने होने पर वहां कुछ यात्रियों को संदेह हुआ। यहां यात्रियों ने लेडी टीटीई से उसका आईडी मांगा, तो वह बातें बनाने लगी।

जब उससे पूछा कि वह कौन से जोन में पदस्थ है, तो उसका कहना था कि वह एमपी की टीटीई है। इसके बाद यात्रियों ने उसके मजे लेने शुरू कर दिए और रेलवे को लेकर सवाल पूछे, जिनके जवाब नहीं दे सकी है। सूचना मिलते ही आरपीएफ ने झांसी स्टेशन पर फर्जी लेडी टीटीई को उतार कर मामला दर्ज किया है।

कंट्रोल से सूचना मिली थी कि ग्वालियर से झांसी की ओर जा रही पातालकोट एक्सप्रेस के जनरल कोच में एक लेडी टीटीई यात्रियों के टिकट चेक कर रही थी। फर्जी लेडी टीटीई की हरकतों से लोगों को उस पर संदेह हुआ। एक तो वह इतनी गर्मी में टीटीई के वेशभूषा के ऊपर पिंक लेडीज जैकेट पहने थी। यात्रियों को बिन टिकट पकड़ने पर उनसे जुर्माना मांग रही थी, लेकिन रसीद नहीं बना रही थी। इस पर यात्रियों ने उससे आईडी मांगी, लेकिन वह आईडी नहीं दिखा रही थी। इसके बाद जब ट्रेन जब डबरा पहुंची, तो यात्रियों ने मामले की जानकारी आरपीएफ को दी। जिसके बाद आरपीएफ की महिला आरक्षक लेडी टीटीई को अपने साथ लेकर झांसी पहुंची। डबरा स्टेशन से भेजे गई सूचना पर फर्जी महिला टीटीई को प्लेटफार्म पर सीटीआई राजेन्द्र कुमार और महिला आरपीएफ कर्मी उमा सिंह ने उतारकर आरपीएफ स्टेशन पोस्ट ले गई।

फर्जी लेडी टीटीई बोली-एमपी जोन में पदस्थ हूं- जब ट्रेन के जनरल कोच में फर्जी लेडी टीटीई से लोगों ने रेलवे को लेकर सवाल किए, तो वह रोचक जवाब दे रही थी। जब पूछा कि आप कौन से जोन में पदस्थ हो, तो कहती है कि मैं एमपी में पदस्थ हूं। स्टेट देखती हूं पूरा, जबकि रेलवे सेन्ट्रल का जॉब है।

नहाती हुई महिला को वीडियो कॉल पर देखना पड़ गया भारी, लग गई 22 लाख रुपए की चपत

वीडियो कॉल पर किया ब्लैकमेल

गुना (नप्र)। नग्न वीडियो बनाकर शिक्षक से डरा-धमका कर 22 लाख रुपये से अधिक वसूलने के मामले में आखिरकार कैंट थाना पुलिस ने डरा-धमका कर जबरन रुपयों की वसूली की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले में शिक्षक ने बीती 22 जुलाई को एसपी को आवेदन दिया था।

आत्महत्या करने के लिए मजबूर होने की बात कही थी। शिक्षक बृजेन्द्र शर्मा पुत्र मदनमोहन शर्मा उम्र 51 वर्ष निवासी कैंट रोड हीराबाग की शिकायत पर आरोपितगण आशा जाटव, जगवीर जाटव, संतोष मोहने निवासीगण गोपालपुरा थाना कैंट पर धारा 384 भादवि का प्रकरण दर्ज किया है। आरोप है आरोपितों ने वीडियो काल करके अश्लील वीडियो बनाकर शिक्षक को डराया धमकाया और ब्लैकमेल कर 22 लाख रुपये वसूले थे।

बीते वर्ष के मार्च माह से शुरू की ब्लैकमेलिंग- शिक्षक ने बताया वर्ष 2023 के मार्च माह में एक दिन आशा और संतोष मोहने जो आशा का देवर होना बताता था आए और कहा तुम्हारे अश्लील वीडियो हमारे पास है, जिनको हम वायरल कर देंगे और यह सब तुम्हारी पत्नी को दिखा देते हैं। पुलिस में भी तुम पर दुष्कर्म, एससी, एसटी एक्ट में शिकायत कर देंगे। ऐसे में राजीनामा में 20-25 लाख रुपए देना पड़ेंगे। नौकरी भी जाएगी और छह माह जमानत नहीं होने देंगे। इससे बचने के लिए 25 लाख रुपये दे दो। यह सब बात कैंट थाने में पुलिस के सामने बोली।

धीरे-धीरे हड़पी राशि

शिक्षक ने बताया आरोपितों की बातों से वह डर गया और उन्हें 31 मार्च 2023 को फो 90 हजार रुपये फोन पे पर ट्रांसफर कर दिए और तीन लाख 40 हजार रुपये नगद दिए। इसके बाद संतोष मोहने ने फोन पर रुपये मांगे और उसने 10 लाख रुपये ले लिए। फिर आशा के पति जगवीर सिंह ने फोन लगाकर बुलाया और धमकाया और पति-पत्नि ने मिलकर आठ लाख 80 हजार रुपये हड़प लिए।

झूठी शिकायतें की अंजान महिला ने कराए फोन- शिक्षक ने बताया संतोष कुमार मोहने एडीपीओ जज बनने की बात कहता था। उसने एक श्याम नाम के व्यक्ति से भी मिलवाया, जिसके बारे में बताया था विदिशा जिले के एक थानेदार हैं और पीएससी पास होकर डीएसपी बनने वाले है। वह लोग लगातार धमकाते रहे। बार-बार थाने में झूठी शिकायतों के आवेदन दिए।

ऐसे फंसाया था जाल में

शासकीय शिक्षक बीईओ कार्यालय गुना में कार्यरत है। उसने बताया स्केटिंग व सेल्फ डिफैस प्रशिक्षिका जाटव शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल कैंट में प्रशिक्षण देने आती थी। वहां उसने उनकी पत्नी से दोस्ती की। इसके बाद उनके घर के सामने मोबाइल की दुकान खोली और घर आने-जाने लगी। इसी दौरान शिक्षक से दोस्ती कर ली। इसके बाद वह लगातार संपर्क करती रही। शिक्षक की पत्नी घर पर नहीं होती थी तो वह किसी काम का बहाना बनाकर घर आ जाती थी। अपनी समस्याएं बताकर पैसे मांगती थी। इस पर शिक्षक और उसकी पत्नि ने उसकी सहायता कर कई बार पैसे भी दिए।